संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-148 ■ रायपुर, सोमवार 26 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



वारः सोमवार
तिथिः आश्विन शुक्ल पूर्णिमा
पक्षः आश्विन पक्ष
मासः आश्विन (शुक्ल पक्ष)
ऋतुः शरद ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्रः अश्विनी शाम 05:41 तक, तत्पश्चाता भरणी।
चन्द्र राशिः मेष राशि में।
सूर्य राशिः तुला राशि में।
पंचकः आज पंचक नहीं है।
अभिजीत मुहूर्तः सुबह 11:42 से दोपहर 12:27 तक।
विजय मुहूर्तः दोपहर 01:57 से 02:42 तक।
ब्रह्म मुहूर्तः प्रातः 04:46 से 05:38 तक।
राहुकालः सुबह 07:53 से 09:17 तक

जज के नाबालिग बेटे ने कार से स्कूटर सवार को मारी टक्कर

कोच्चि। कोच्चि में रविवार तड़के एक मर्सिडीज-बेंज कार ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटर सवार 54 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कार को एक एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज का 17 वर्षीय बेटा चला रहा था। यह हादसा चेरानेल्लूर के पास तड़के 2 से 3 बजे के बीच हुआ। मृतक की पहचान मंजली के रहने वाले जयाबालकृष्णन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, कार ने पीछे से स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे उस व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गाड़ी एक जज के नाम पर रजिस्टर्ड है। घटना के बाद किशोर को पुलिस हिरासत में ले लिया है। भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत, लापरवाही से गाड़ी चलाने और लापरवाही के कारण मौत का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, किशोर ने शराब नहीं पी रखी थी। आगे की जांच के लिए उसके ब्लड सैंपल ले लिए गए हैं। मृतक की भतीजी ने पत्रकारों को बताया कि उनके चाचा जीविका चलाने के लिए खाने-पीने का स्टॉल लगाते थे और घर लौटते समय यह हादसा हो गया। उसने दावा किया कि कार बहुत तेज रफ़्तार में रही होगी, क्योंकि उसके चाचा का स्कूटर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था और उनके स्कूटर पर रखा सामान दुर्घटनास्थल के आस-पास चारों तरफ बिखरा पड़ा था। उसने कहा, "उनकी मौके पर ही मौत हो गई।"

कुत्ते से बचने की कोशिश में उबलते दूध से झुलसी 3 साल की मासूम

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में भौंकते कुत्ते से बचने के प्रयास में उबलते दूध का बर्तन गिरने से गंभीर तौर पर झुलसी 3 साल की बच्ची की मौत हो गई। एक लोकल पुलिसकर्मी ने बताया कि यह घटना बीते गुरुवार को नांदुर हवेली में हुई, जब दुर्गा प्रदीप बुधनर अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान, एक आवारा कुत्ता आक्रामक तरीके से भौंकते हुए उसकी तरफ दौड़ा था। इसके बाद, बच्ची घबराकर उससे बचने के लिए तेजी से अपने घर की तरफ भागी थी। पुलिस अफसर ने बताया कि जल्दबाजी में बच्ची आंगन की तरफ भागी।

मुख्यमंत्री साय ने अभनपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी एवं सिद्धार्थ शंभू के साथ सुनी 'मन की बात' की 139वीं कड़ी

'मन की बात' देश की लोकशक्ति की आराधना और 140 करोड़ देशवासियों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी





मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर जिले के अभनपुर स्थित अग्रवाल भवन में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी एवं श्री सिद्धार्थ शंभू के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 139वीं कड़ी का श्रवण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' देश की लोकशक्ति की आराधना और 140 करोड़ देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज, पर्यावरण, संस्कृति, नवाचार और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सामान्य नागरिकों के असाधारण प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। ऐसे प्रेरक उदाहरण देशवासियों में समाज और राष्ट्र के लिए कुछ नया करने का भाव जागृत करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के लिए गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' की विभिन्न कड़ियों में प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, खेल प्रतिभाओं, जल संरक्षण, पोषण और नवाचार से जुड़े प्रयासों को प्रमुखता से स्थान दिया है। उन्होंने बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम का उल्लेख कर बस्तर की खेल प्रतिभाओं एवं समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दी है। आज शांति, विश्वास और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा बस्तर अपनी युवा प्रतिभाओं और सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से नई पहचान बना रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कोरिया जिले में जल संरक्षण के अभिनव 'पांच प्रतिशत मॉडल' की भी सराहना की है, जिसके तहत किसान अपनी भूमि के पांच प्रतिशत हिस्से में तालाब बनाकर वर्षा जल का संचय करते हैं। इससे सिंचाई के साथ भूजल संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। इसी प्रकार ऐतिहासिक मल्हार के ताम्रपत्रों और पोषण से जुड़े 'हर घर मुनगा' जैसे प्रयासों का उल्लेख छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित करता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की 139वीं कड़ी में कार्यक्रम की 12 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए देश के सामान्य नागरिकों के परिश्रम, सेवा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने पंजाब में प्राकृतिक कपास की खेती और बुनकरी से महिला सशक्तिकरण, उत्तराखंड में हेवल नदी के पुनर्जीवन, स्थानीय उत्पादों की वैश्विक पहचान और खादी की बढ़ती लोकप्रियता जैसे प्रेरक प्रयासों का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने त्योहारों के अवसर पर स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को प्राथमिकता देने और 'वोकल फॉर लोकल' को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने ई-संजीवनी, आधुनिक अनुसंधान, युवाओं के डीप-टेक स्टार्टअप, श्रीअन्न की खेती और अंगदान के महत्व को भी रेखांकित किया। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी' में सहभागिता, स्वच्छता और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार हमें अपने आसपास हो रहे सकारात्मक कार्यों से प्रेरणा लेने और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाने की प्रेरणा देते हैं। 'मन की बात' ने स्वच्छता, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन, नवाचार, सेवा और जनभागीदारी को जन-जन से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में विकसित छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनभागीदारी, नवाचार और कर्तव्य के प्रति समर्पण आवश्यक है। इन्हीं सामूहिक प्रयासों से छत्तीसगढ़ और देश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, अभनपुर विधायक श्री इंद्र कुमार साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

वाराणसी में भारतीय वायुसेना का एयर शो, पीएम मोदी ने नमो घाट पर देखा शानदार हवाई प्रदर्शन



लखनऊ ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के नमो घाट पहुंचे, जहां उन्होंने भारतीय वायुसेना के एयर शो में आस्था और देशभक्ति का शानदार मेल देखा। वायुसेना के 94वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित इस एयर शो में पीएम मोदी वायुसेना की टोपी और काला चश्मा पहने नजर आए। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि एयर शो के दौरान तीन किरण विमानों ने अंग्रेजी के अक्षर 'वी' के आकार में उड़ान भरी। इस दौरान आसमान में तिरंगे के रंगों की खूबसूरत छटा दिखाई दी। वहीं, एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने 'ओंकार' की आकृति बनाते हुए राष्ट्रीय ध्वज के साथ उड़ान भरी। प्रधानमंत्री मोदी एयर शो के तीसरे और आखिरी दिन के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नमो घाट पहुंचे थे। उनके पहुंचने पर काशी के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

सुखोई और तेजस ने भी दिखाया दम

वायुसेना के अधिकारियों के मुताबिक, हवाई प्रदर्शन में सुखोई-30 एमकेआई और स्वदेशी तेजस जैसे लड़ाकू विमानों ने भी हिस्सा लिया। सूर्य किरण हवाई करतब दल ने आसमान में अलग-अलग आकृतियां बनाते हुए शानदार और एक साथ उड़ान का प्रदर्शन किया। वहीं, सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन दल ने भी अपने हवाई करतबों से दर्शकों का दिल जीत लिया। एयर शो में शामिल होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के मिर्जामुराद क्षेत्र में अरविंद लिमिटेड की नई परिधान बनाने वाली इकाई का उद्घाटन किया।अधिकारियों के मुताबिक, इस परियोजना का मकसद क्षेत्र में उद्योग को बढ़ावा देना और भारत में कपड़े और परिधान बनाने के काम को मजबूत करना है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने 300 महिलाओं से बातचीत भी की।अधिकारियों ने बताया कि नई इकाई से खास तौर पर महिलाओं के लिए रोजगार के मौके बढ़ने और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

चक्रवाती तूफान के चलते ओडिशा में 5 जिलों के स्कूल बंद

भुवनेश्वर ■ एजेंसी

आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ रहे चक्रवाती तूफान के प्रभाव से निपटने के लिए ओडिशा सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के निर्देश पर 5 संवेदनशील जिलों में स्कूल-कॉलेज 28 और 29 अक्टूबर को बंद रहेंगे। इसके साथ ही प्रशासन ने सभी जिलाधिकारियों और महत्वपूर्ण विभागों के अफसरों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के तट से 28 अक्टूबर को एक भीषण चक्रवाती तूफान के टकराने की आशंका के मद्देनजर ओडिशा सरकार ने रविवार को इसके प्रभाव से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संवेदनशील इलाकों में कर्मचारी तथा जरूरी उपकरण तैनात किए जा रहे हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने नवीनतम बुलेटिन में कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव का क्षेत्र एक 'बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान' के रूप में तब्दील होकर आंध्र प्रदेश में बापटला और विशाखापत्तनम के बीच तट को पार कर सकता है। इस दौरान 115-125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और इसके बढ़कर 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात 28 अक्टूबर को दोपहर से पहले तट से टकरा सकता है, जिसका संभावित स्थान ओडिशा के गोपालपुर से करीब 300 किलोमीटर दूर है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि हालांकि इस तूफान के आंध्र प्रदेश में तट से टकराने का अनुमान है लेकिन ओडिशा सरकार कोई जोखिम नहीं लेगी और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगी।

पटना में मल्लिकार्जुन खरगे के भाषण के दौरान हंगामा

पटना ■ एजेंसी



बिहार के पटना में रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के भाषण के दौरान हंगामा हो गया। वह डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति के साथ उनकी तीखी बहस होने की बात सामने आई।कार्यक्रम में मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इस पर खरगे ने कथित तौर पर जवाब दिया, "मोदी का बाप भी जाएगा।" उनके इस बयान को लेकर कार्यक्रम में माहौल गरमा गया। पटना के बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में खरगे ने आरएसएस की विचारधारा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर आज आरएसएस के बारे में बात की जाती है तो लोग इसे अलग-अलग तरह से समझ सकते हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि आरएसएस की स्थापना के समय से ही वह ऐसी गतिविधियों में शामिल रहा है, इसलिए उसकी आलोचना की जाती है।खरगे ने कहा, "जब तक इस देश में आरएसएस की विचारधारा रहेगी, तब तक शांति नहीं होगी।" उन्होंने कहा कि डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की सोच के मुताबिक देश में शांति और भाईचारा जरूरी है।

खरगे ने कहा कि सभी लोग डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर उन्हें याद करने के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह को आधुनिक बिहार में लोकतंत्र को मजबूत करने वाला नेता बताया। खरगे ने कहा कि उन्होंने कमजोर वर्गों को आगे बढ़ाने और जमींदारी व्यवस्था खत्म करने में बड़ी भूमिका निभाई।खरगे ने कहा कि डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ने बिहार में कृषि, उद्योग, शिक्षा और सिंचाई के विकास से जुड़े कई कामों को आगे बढ़ाया।

हमारा वोट चुराया जा रहा है, हम चुपचाप नहीं सहेंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली ■ एजेंसी



राहुल गांधी ने रविवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "हमारा वोट चुराया जा रहा है और ये हम किसी हाल में चुपचाप नहीं सहेंगे। मतदाता सूचियों से नाम काटे गए। नियम-कानून तोड़े गए। और सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलीं। अब जवाब देश देगा।" 1 नवंबर के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए राहुल गांधी ने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से राष्ट्रीय राजधानी में इकट्ठा होने की अपील की। उन्होंने पोस्ट में लिखा, "1 नवंबर - चलो दिल्ली। वोट बचाओ - देश बचाओ जन मार्च और महारैली। छात्र, किसान, मजदूर, महिलाएं, नौजवान और व्यापारी, जिस-जिस को लोकतंत्र की फिक्र है, वो जरूर आए। वोट आपका है। लड़ाई भी आपकी है।"

साथ ही, राहुल गांधी ने भाजपा और उसके सहयोगियों की आलोचना की। उन्होंने तंज कसते हुए 'एक्स' पोस्ट में कहा, "भाजपा और उसके साथियों का दिल से धन्यवाद, जो इस कार्यक्रम का इतना जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं और इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा रहे हैं। बस अगले 7 दिन भी यही जोश और लगन बनाए रखिए।"

कांग्रेस सांसद ने दिल्ली रैली को लेकर यह आह्वान ऐसे समय किया है, जब व्यापारी वर्ग और 1984 के सिख-विरोधी दंगों के पीड़ित इसका विरोध कर रहे हैं। दिल्ली के व्यापारियों ने त्योहारों के मद्देनजर राहुल गांधी से रैली टालने की भी अपील की थी।

व्यापारियों ने अपनी अपील में कहा कि धनतेरस और दीपावली की खरीददारी नवंबर के पहले हफ्ते में शुरू हो जाएगी। त्योहार के समय लगभग 25 हजार करोड़ रुपए का कारोबार होता है। अगर रैली हुई और पुलिस ने रास्ते बंद किए तो लगभग 10 हजार करोड़ रुपए का नुकसान दिल्ली के व्यापार को होगा।

उधर, 1984 के सिख-विरोधी दंगों के पीड़ितों ने इस रैली का विरोध करने का ऐलान किया है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि 1 नवंबर उनके लिए बेहद संवेदनशील तारीख है, क्योंकि 1984 में इसी दिन दिल्ली सहित कई स्थानों पर सिख समुदाय के लोगों को निशाना बनाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तारीख पर राजनीतिक रैली आयोजित करना उनके पुराने जख्मों को फिर से ताजा करने जैसा है।

किक मारते ही बाइक में लगी आग देखते ही देखते जलकर हो गई खाक

कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गैरेज में रिपेरिंग के दौरान बाइक में आग लग गई। आनन फानन में मैकेनिक ने बाइक को गैरेज से दूर किया, वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

यह पूरा मामला मानिकपुर चौकी इलाके के मुड़ापार पेट्रोल पंप मोड़ के पास का है। बताया जा रहा है कि स्टार्ट नहीं होने की शिकायत पर मालिक बाइक को लेकर गैरेज पहुंचा था। रिपेयरिंग के दौरान जब मैकेनिक ने किक मारी तो बाइक में चिंगारी उठने के बाद आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। दुकान और आसपास की बाइक आग की चपेट में न आ जाये इसलिए बाइक को किसी तरह वहां से हटाकर सड़क पर लाया गया।

इसकी सूचना तत्काल दमकल वाहन और मानिकपुर चौकी पुलिस को दी गई, लेकिन जब तक दमकल विभाग की टीम पहुंच पाती तब तक बाइक जलकर खाक हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि बाइक में पेट्रोल लीकेज था, जहां किक मारते ही शॉर्ट सर्किट हुआ और चिंगारी से आग लग गई।

अनु मलिक के चलते रोकी गई शिल्पा राव की आवाज? बेटी अनमोल की परफॉर्मेंस में गया एक्स्ट्रा टाइम, आयोजकों ने मांगी माफी



मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में आयोजित एक म्यूज़िक इवेंट विवादों में आ गया है। इवेंट के दौरान सिंगर शिल्पा राव को उनकी परफॉरमेंस के बीच ही रोक दिया गया और उनका माइक बंद कर दिया गया। माइक बंद होने के बाद भी जब शिल्पा ने अपनी परफॉर्मेंस जारी रखने का फैसला किया तो बीच में ही स्टेज की लाइटें भी बंद कर दी गईं। ऑर्गनाइजर्स के इस रवैये पर इवेंट में मौजूद कई लोगों ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की है। कई लोगों ने शिल्पा के मंच पर आने से पहले हुई परफॉरमेंस पर भी सवाल उठाएं हैं। यह घटना शनिवार, 24 अक्टूबर को 'बॉम्बे म्यूज़िक प्रोजेक्ट' के दौरान हुई। अब सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि शिल्पा राव की परफॉर्मेंस को ऑर्गनाइजर्स ने बीच में ही रोक दिया, जबकि अनु मलिक और हिमेश रेशमिया जैसे सिंगर्स ने दिए गए समय से ज्यादा देर तक परफॉर्मेंस जारी रखी। वहीं कई ने अनु मलिक की बेटी अनमोल की परफॉर्मेंस पर भी सवाल खड़े किए हैं।

अनु मलिक और उनकी बेटी अदा को क्यों दोषी ठहराया जा रहा है?

दरअसल, इस म्यूजिक फेस्टिवल में अनु मलिक ने भी परफॉर्म किया था और उनकी बेटी अदा मलिक ने भी इस म्यूजिक फेस्टिवल में डांस परफॉर्मेंस दी। अदा ने 2003 की फिल्म 'कुछ तो है' के गाने 'डिंग डोंग डिंग डोले' पर डांस किया, जिसके वीडियो भी वायरल हो गए हैं। ऐसे में कुछ दर्शकों का कहना है कि शिल्पा की परफॉर्मेंस बीच में ही रोक दी गई, जबकि उसे पहले के परफॉर्मेंस में बहुत ज्यादा समय लगा। कई ने हिमेश रेशमिया द्वारा भी ज्यादा समय लिए जाने के आरोप लगाए हैं।

यूजर्स ने अदा की परफॉर्मेंस को बताया 'गैर-जरूरी'

इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने दावा किया कि एक इवेंट मैनेजर स्टेज पर अनु मलिक के पास गए और उनसे कहा कि अब समय नहीं बचा है। लेकिन, अनु ने अपनी परफॉरमेंस जारी रखी, जिसकी वजह से और देरी हुई। यूजर ने यह भी सवाल उठाया कि इवेंट में अदा के डांस एक्ट को क्यों शामिल किया गया था। यूजर ने अदा की परफॉर्मेंस को 'पूरी तरह से गैर-जरूरी' बताते हुए कहा कि दर्शकों को अदा की परफॉर्मेंस में कुछ खास दिलचस्पी नहीं थी। अपने पोस्ट में यूजर ने लिखा- 'सिर्फ वे लोग जो BMP (बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट) में मौजूद थे, उन्हें ही पता होगा कि अनु मलिक (और उनकी "टीम") ने तय समय से ज्यादा वक्त लिया। यहां तक कि इवेंट मैनेजर को भी स्टेज के पास आकर उन्हें बताना पड़ा कि अब समय नहीं बचा है, फिर भी वे अपना परफॉरमेंस जारी रखे रहे। कुछ परफॉरमेंस बिल्कुल गैर-जरूरी थीं, जैसे कि यह वाली, और एक और परफॉरमेंस जो उनकी बेटी ने दी थी। उनकी बेटी के परफॉरमेंस के दौरान भीड़ बिल्कुल शांत और बेजान थी।'

सोशल मीडिया पर लोग क्या कह रहे हैं?

अदा की परफॉर्मेंस का वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, 'बिल्कुल सही। इवेंट में इस तरह के फिलर्स की बिलकुल भी जरूरत नहीं थी। समय नहीं बचा था तो इस तरह के फिलर्स को पूरी तरह हटा देना चाहिए था।' एक अन्य ने लिखा- 'हां, मेरा भी यही कहना है।' वहीं एक ने कहा कि परफॉर्मेंस के दौरान खुद अदा भी अपने एक्ट को एंजॉय करती नहीं दिखीं। हालांकि, इस बात की कोई पुष्टि नहीं है कि अनु मलिक या अदा मलिक की परफॉरमेंस के चलते शिल्पा राव की परफॉर्मेंस रोक दी गई।

शिल्पा राव की परफॉरमेंस के दौरान क्या हुआ?

इवेंट में शिल्पा को लगभग शाम 7.45 बजे से 8.15 बजे तक परफॉर्म करना था, लेकिन अन्य परफॉर्मेंस में ज्यादा समय जाने के चलते वह करीब 8.30 बजे स्टेज पर आईं। उन्होंने फिल्म 'अनवर' के गाने 'तोसे नैना लागे' से अपने परफॉर्मेंस की शुरुआत की। वह ये गाना कम्प्लीट कर पातीं, इससे पहले ही उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया। क्रू के एक सदस्य ने उन्हें दूसरा माइक्रोफोन दिया, मगर, 'देवरा' फिल्म के गाने 'चुट्टमल्ले' पर परफॉरमेंस के बाद, उनका माइक फिर से बंद कर दिया गया और फिर स्टेज की लाइटें भी बुझा दी गईं। तभी दूसरे मंच पर कुतले खान और उनके बैंड, 'द कुतले खान प्रोजेक्ट' ने अपनी परफॉरमेंस शुरू कर दी और इस दौरान शिल्पा भी मंच पर ही थीं। इस पूरे वाकये को लेकर खुद शिल्पा राव ने भी एक पोस्ट साझा करते हुए निराशा जाहिर की है।

बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट ने मांगी माफी

आलोचनाओं के बाद, बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट ने भी इंस्टाग्राम पर सार्वजनिक रूप से शिल्पा राव से माफी मांगी है। शिल्पा की परफॉरमेंस को अचानक खत्म किए जाने पर खेद जताते हुए ऑर्गनाइजर्स ने कहा कि वह शिल्पा और उनके काम का सम्मान करते हैं। लेकिन, साथ ही इस बात का भी हवाला दिया कि बड़े म्यूजिक फेस्टिवल में शेड्यूल बहुत टाइट होता है, क्योंकि कई कलाकार इसमें हिस्सा लेते हैं, ऐसे में अगर पहले की परफॉर्मेंस में देरी हो जाए, तो इसका असर पूरे प्रोग्राम पर पड़ सकता है।

रणवीर सिंह से मिले पंजाबी रैपर सुल्तान, कड़ी सुरक्षा के बीच गले लगाकर किया वेलकम

मुंबई (एजेंसी)। 'धुरंधर' एक्टर रणवीर सिंह, जो इन दिनों कम ही नजर आ रहे हैं। वे हाल ही में पंजाबी रैपर सुल्तान ढिल्लों से मिले। सुल्तान ढिल्लों शनिवार, 24 अक्टूबर को मुंबई में 'स्पॉटिफाई इंडिया' के 'रैप 91 लाइव' के पांचवें संस्करण के लिए आए थे। सोशल मीडिया पर दोनों की मुलाकात के कई वीडियो वायरल हो गए हैं। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे रणवीर सिंह ने सुल्तान ढिल्लों को गले लगाया और एक-दूसरे से बातचीत करते नजर आए। इस दौरान रणवीर सिंह की सुरक्षा के लिए पुलिस भी उनके साथ मौजूद थी।

इन वीडियो में रणवीर को मुंबई के एक रेस्टोरेंट में सुल्तान को गर्मजोशी से गले लगाते और उनसे बातचीत करते देखा जा सकता है। 'धुरंधर' अभिनेता ने अपनी रंग-बिरंगी, प्रिंटेड और ओवरसाइज्ड शर्ट से सबका ध्यान खींचा। उनके इस लुक ने उनके पुराने अनोखे और मजेदार फैशन स्टाइल की याद दिला दी, जो अक्सर चर्चा का विषय बनते रहे हैं।

रणवीर का यह अंदाज भी लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रहा, क्योंकि हाल ही में टाइगर श्रॉफ से जुड़ी गोलीबारी की घटना के बाद सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसके चलते रणवीर के साथ पुलिस सुरक्षा मौजूद थी। हालांकि, एक्टर हाल-फिलहाल में सार्वजनिक रूप से कम ही नजर आए हैं, लेकिन सुल्तान के साथ उनकी इस मुलाकात ने फैंस के बीच काफी दिलचस्पी जगा दी है। उनकी बातचीत के क्लिप्स ऑनलाइन खूब शेयर किए जा रहे हैं।

सुल्तान अपने लोकप्रिय गीत 'जट्ट डोंट केयर' के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं। उनके अन्य गीतों में 'पफ पफ पास', 'ललकारा', 'कर्फ्यू', 'वेपन', 'वी डोंट प्ले' और 'शिकारी' शामिल हैं।

रणवीर सिंह आखिरी बार 2025 में आई फिल्म 'धुरंधर' और उसके सीक्वल 'धुरंधरः द रिवेंज' में नजर आए थे, जो 19 मार्च 2026 को रिलीज हुई थी।

खेसारी लाल यादव के शो में बवाल, खुर्दा महोत्सव में भोजपुरी स्टार पर फेंकी गई चप्पल



मुंबई (एजेंसी)। खेसारी लाल यादव भोजपुरी सिनेमा के बड़े स्टार हैं और स्टारडम के मामले में वह दिनेश लाल यादव और पावरस्टार पवन सिंह जैसे स्टार्स को टक्कर देते हैं। खेसारी लाल यादव रियेलिटी शो बिग बॉस में भी नजर आ चुके हैं और अब एक चौंकाने वाली घटना को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, खेसारी हाल ही में पूर्णिया के खुर्दा महोत्सव में परफॉर्म करने पहुंचे थे। भोजपुरी स्टार जब स्टेज पर परफॉर्म कर रहे थे, इसी दौरान उन पर किसी ने चप्पल फेंककर मार दी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। खेसारी लाल के साथ ऐसी हरकत देखकर वहां मौजूद सांसद पप्पू यादव का भी पारा चढ़ गया और उन्होंने कार्यक्रम के दौरान इसे लेकर गुस्सा भी जाहिर किया।

पूर्णिया में इन दिनों खुर्दा वार्षिक महोत्सव चल रहा है। इसी जश्न में भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव भी शामिल हुए थे। मेले में उन्होंने भी संगीतमय और जोश से भरी परफॉर्मेंस दी। जब खेसारी परफॉर्म कर रहे थे, इवेंट में मौजूद सभी लोग जश्न में डूबे थे। लेकिन, तभी अचानक भीड़ में से किसी ने खेसारी लाल यादव पर चप्पल फेंककर मार दी, इस घटना से भोजपुरी स्टार भी हैरान रह गए और फिर उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस रोक दी। वहीं खेसारी पर चप्पल फेंकने की घटना देखकर इवेंट में मौजूद सांसद पप्पू यादव नाराज हो गए।

चप्पल फेंके जाने पर खेसारी लाल यादव भी नाराज हो गए और परफॉर्मेंस रोक दी और मंच से ही इस व्यवहार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने तीखे शब्दों में इस हरकत पर उस शख्स को खरी-खोटी सुना दी, जिसने उन पर चप्पल फेंकी थी। हालांकि, इस दौरान भी वह संयम में ही रहे और अभद्र भाषा इस्तेमाल नहीं की। उन्होंने कहा- 'अच्छा किए बेटा, आई लव यू। क्या लड़का है, बहुत आगे जाओगे तुम। इतना आगे जाओगे कि वहां जमीन भी नहीं होगी। जो लोग गलती करते हैं, मैं उनका सम्मान करता हूं, क्योंकि इनकी गलती से दुनिया सीखेगी।'

इस घटना को देखकर पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव अपनी नाराजगी जाहिर किए बिना नहीं रह पाए। उन्होंने सिंगर पर चप्पल फेंके जाने की घटना की कड़े शब्दों में आलोचना की और चेतावनी देते हुए कहा कि ये घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है और चप्पल फेंकने वाले को जल्द से जल्द ढूंढ लिया जाएगा। इसी के साथ उन्होंने उन लोगों पर भी गुस्सा जाहिर किया, जो अपनी जान जोखिम में डालकर बिजली के खंभों में चढ़कर खेसारी लाल यादव की परफॉर्मेंस का लुत्फ उठा रहे थे। उन्होंने लोगों को बिजली के खंभों से नीचे उतरने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर लोग नीचे नहीं उतरे तो शो को बंद कर दिया जाएगा।

सेहत

इन पोषक तत्वों की कमी से हो सकती है पैरों में सूजन

अपने पैरों के ऊपर पांच सेकेंड तक उंगली से दबाएं। अगर वहां गड्ढा बन रहा है और वह जल्दी गायब नहीं हो रहा तो आपको अपनी सेहत को लेकर सावधान हो जाना चाहिए। आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा विशेषज्ञ (Ayurveda & Unani Medicine Expert) डॉक्टर सलीम ज़ैदी कहते हैं इस स्थिति का मेडिकल नाम है पिटींग एडिमा। इस स्थिति में थकान, कमजोरी और पैरों में सूजन, होना सामान्य लक्षण हैं।

विटामिन बी 1: विटामिन बी 1 यानी थायमिन की कमी का असर सीधे आपके हार्ट और पैरों की नसों पर पड़ता है। मेडिकल साइंस में इस कंडीशन को वेट बेरीबेरी (Wet Beriberi) कहते हैं। जब शरीर में विटामिन बी 1 कम होता है तो उस वजह से ब्लड वेसल्स ढीली पड़ जाती हैं। किडनी नमक को रोकने लगती है जिससे आपके पैरों में पानी भरने लगता है। ऐसे में अपने शरीर में विटामिन बी 1 को नेचुरली बढ़ाने के लिए आप कद्दू के बीज का सेवन करें। इसमें भरपूर मात्रा में यह विटामिन पाया जाता है। आप इसका सेवन भूनकर और पाउडर दोनों रूप में कर सकते हैं। इसके अलावा आप मूंगफली, काला चना, राजमा, ब्राउन राइस, ओट्स और लोबिया का भी सेवन करें, इनमेब भी अच्छी मात्रा में विटामिन बी 1 पाया जाता है।



पोटेशियम: पोटेशियम की मात्रा शरीर में जितनी ज़्यादा होगी आपके पैरों में पानी और सूजन उतना ही कम होगा। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) और WHO के अनुसार वयस्कों को प्रतिदिन कम से कम 3,510 mg पोटेशियम लेना चाहिए। ऐसे में शरीर में इसकी मात्रा बढ़ाने के लिए मीडियम बॉयल शकरकंदी में 400 से 500 मिलीग्राम, ढाई सौ ग्राम नारियल पानी में 400 से 600 मिलीग्राम , एक कप पालक में 800 से 850 मिलीग्राम पोटेशियम मिल सकता है। वहीं अगर आप एवोकैडो का सेवन करते हैं तो एक एवोकैडो में आप 900 के ऊपर पोटेशियम मिल जाएगा। लेकिन अगर आप हार्ट या किडनी के मरीज हैं तो शरीर में पोटेशियम बढ़ने से पहले डॉक्टर से ज़रूर कंसलट करें।

मैग्नीशियमः मैग्निशयम कम होने से नसें सिकुड़ जाती हैं और इस वजह से पैरों में सूजन आ सकती है और रात के समय पिंडलियों में अकड़न आने लगती है।

ऐसे में इसकी कमी को पूरा करने के लिए दो चम्मच कद्दू के बीज, भीगे हुए बादाम और काजू, डार्क चॉकलेट, राजमा और चिया सीड्स भी मैग्नीशियम को बढ़ाती है।

प्रोटीनः जब आपके शरीर में प्रोटीन की कमी होती है तब उस वजह से भी पैरों में सूजन की समस्या बढ़ जाती है। प्रोटीन के लिए आप रोजाना दूध, दही, पनीर स्प्राउट्स और दाल का सेवन करें। साथ ही चीनी और नमक का सेवन बंद करें। आधे घंटे वॉक करें। इससे सूजन की समस्या कंट्रोल हो सकती है।

औषधीय गुणों से भरपूर है कलौंजी

कलौंजी का इस्तेमाल तड़के से लेकर अचार में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसकी सुगंध खाने का स्वाद कई गुना बढ़ा देती है। लेकिन क्या आप जानते हैं यह छोटा मसाला सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य ने अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि कलौंजी के बीजों में थाइमोक्विनोन नामक पावरफुल बायोएक्टिव कंपाउंड होता है, जो अपने एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। ऐसे में कलौंजी का अगर सही तरीके से सेवन किया जाए तो यह सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। चलिए जानते हैं इसके फायदे और इस्तेमाल का तरीका?

कलौंजी खाने के फायदे

सूजन होता है कंट्रोलः शरीर में मौजूद सूजन गम्भीरर बीमात्रियों की वजह बन सकती है ऐसे में आप कलौंजी के एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, सूजन और इन्सुलिन रेजिस्टेंस को कम करते हैं। जिससे पाचन और मेटाबॉलिक कार्यप्रणाली में सुधार होता है।

ब्लड शुगर और बैड कोलेस्ट्रॉल होता है कंट्रोलः डॉक्टर शुभम वात्स्य के अनुसार, कलौंजी से फास्टिंग ब्लड शुगर एचबीएवेसी (HbA1c), बैड कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड और लिवर एन्ज़ाइम में इम्प्रूवमेंट होता है। खासकरयह डायबिटीज, फैटी लिवर और बैड कोलेस्ट्रॉल में बेहद फायदेमंद है। तो अगर आपका ब्लड शुगर बढ़ा है आय बैड कोलेस्ट्रॉल इस मसाले का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

वजन होता है कमः अगर आपका वजन बढ़ा हुआ है तो उसे कंट्रोल करने के लिए कलौंजी का सेवन कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मेटाबॉलिज्म को फास्ट करते हैं जो आपका बढ़ा हुआ वजन कम करने में मददगार है।

गट हेल्थ होती है बेहतरः डॉक्टर शुभम वात्स्य के अनुसार, कलौंजी गट हेल्थ को भी बेहतर करती है। इसमें मौजूद थाइमोक्विनोन और कार्मिनेटिव गैस, ब्लोटिंग, अपच जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं में बेहद कारगर है।

पाचन तंत्र के लिए कैसे काम करता है जीरा पानी?

नियमित रूप से जीरा पानी पीना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। भारतीय रसोई का यह मुख्य मसाला न केवल भोजन का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी छिपे होते हैं। सुबह खाली पेट जीरा पानी पीने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं। रोजाना सुबह खाली पेट जीरा पानी पीना आज के समय में एक बेहद फेमस हेल्थ ट्रेंड भी बन चुका है। दादी-नानी के नुस्खों से लेकर डायटीशियंस तक, हर कोई पाचन को दुरुस्त रखने के लिए इसे पीने की सलाह देता है। लेकिन क्या वाकई यह रोजाना पीने से पाचन की समस्याएं दूर होती हैं? आइए जानते हैं।

जीरे में थाइमोल नामक तत्व पाया जाता है। यह तत्व हमारे पेट में पाचक रसों और पित्त के डिस्चार्ज को उत्तेजित करता है। जब पाचक रस सही मात्रा में बनते हैं, तो भोजन को पचाने की प्रक्रिया तेज और आसान हो जाती है। रोजाना जीरा पानी पीने से पाचन से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

ब्लोटिंग और गैस से राहत

जीरे में एंटी-फ्लैटुलेंट गुण होते हैं। यह आंतों में गैस बनने की प्रक्रिया को रोकता है, जिससे पेट फूलने और भारीपन की समस्या दूर होती है।

मेटाबॉलिज्म में सुधार

यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जिससे न सिर्फ खाना जल्दी पचता है बल्कि वजन नियंत्रित रखने में भी मदद मिलती है।

एसिडिटी को करे कम

जीरा पानी पेट के एसिड स्तर को संतुलित करने में मदद करता है, जिससे सीने में जलन और खट्टी डकारें आना बंद होती हैं।

आंतों की सेहत के लिए

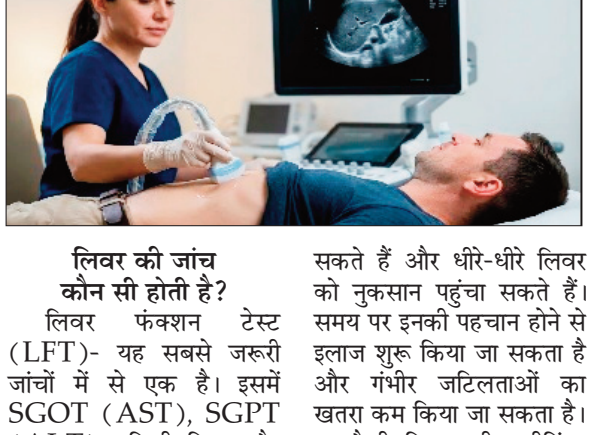
इसमें मौजूद एंटी-माइक्रोबियल गुण आंतों के हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं।

क्या रोजाना इसे पीना पूरी तरह सुरक्षित है?

आम तौर पर, रोजाना एक गिलास गुनगुना जीरा पानी पीना ज्यादातर लोगों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और फायदेमंद है।

लिवर खराब होने का इंतजार क्यों? बीमारी को पकड़ने के लिए करा लें ये 5 टेस्ट

शरीर का सबसे बड़ा, मजबूत और महत्वपूर्ण अंग हमारा लिवर है। लिवर खाना पचाने, शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकालने, एनर्जी स्टोर करने और कई जरूरी प्रोटीन बनाने का काम करता है। लेकिन समस्या यह है कि लिवर की कई बीमारियां शुरुआती दौर में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखातीं। जब तक थकान, पीलिया, पेट में सूजन या तेज दर्द जैसे संकेत दिखाई देते हैं, तब तक कई मामलों में बीमारी काफी आगे बढ़ चुकी होती है। इसीलिए केवल लक्षणों का इंतजार करने के बजाय समय पर जांच कराना बेहतर होता है। डॉक्टर रमेश गर्ग (सीनियर डायरेक्टर और HOD, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग) ने कुछ सामान्य ब्लड टेस्ट और स्क्रीनिंग के बारे में बताया है जो लिवर की स्थिति का समय रहते पता लगाने में मदद कर सकते हैं। आइये जानते हैं लिवर के लिए कौन से टेस्ट कराने चाहिए?



लिवर की जांच कौन सी होती है?

लिवर फंक्शन टेस्ट (LFT)- यह सबसे जरूरी जांचों में से एक है। इसमें SGOT (AST), SGPT (ALT), बिलीरुबिन और अन्य पैरामीटर देखे जाते हैं, जिनसे पता चलता है कि लिवर सही तरीके से काम कर रहा है या नहीं। फैटी लिवर, हेपेटाइटिस और अन्य लिवर संबंधी समस्याओं के शुरुआती संकेत इससे मिल सकते हैं।

हेपेटाइटिस बी और सी की जांच- हेपेटाइटिस बी और सी वायरस लंबे समय तक बिना किसी लक्षण के शरीर में रह सकते हैं और धीरे-धीरे लिवर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। समय पर इनकी पहचान होने से इलाज शुरू किया जा सकता है और गंभीर जटिलताओं का खतरा कम किया जा सकता है।

फैटी लिवर की स्क्रीनिंग- आज के समय में गलत खानपान, मोटापा, डायबिटीज और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण फैटी लिवर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। डॉक्टर की सलाह पर ब्लड टेस्ट और जरूरत पड़ने पर अल्ट्रासाउंड जैसी जांच से इसकी पहचान की जा सकती है। इससे फैटी लिवर का पता लगाया जा सकता है।

लिपिड प्रोफाइल और ब्लड शुगर टेस्ट- कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर का असंतुलन भी लिवर की सेहत को प्रभावित करता है। अगर ये स्तर लगातार बढ़े रहें तो फैटी लिवर और अन्य मेटाबॉलिक समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए इनकी नियमित जांच भी जरूरी है।

फाइब्रोसिस या लिवर डैमेज की जांच- अगर किसी व्यक्ति को लंबे समय से फैटी लिवर, हेपेटाइटिस या शराब के अधिक सेवन का इतिहास है, तो डॉक्टर जरूरत के अनुसार ऐसी जांच की सलाह दे सकते हैं, जिससे यह पता चलता है कि लिवर में स्थायी नुकसान या फाइब्रोसिस तो नहीं हो रही।

लिवर की देखभाल केवल जांच तक सीमित नहीं है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वस्थ वजन बनाए रखना, शराब का सीमित या बिल्कुल सेवन न करना और डॉक्टर की सलाह के बिना दवाइयां न लेना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

गर्मियों में मूंगफली को भिगोकर खाने से क्या-क्या फायदे होते हैं?

गर्मियों के मौसम में मूंगफली को कच्चा या भूनकर खाने के बजाय भिगोकर खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। मूंगफली की तासीर गर्म होती है, लेकिन जब हम इसे रातभर पानी में भिगो देते हैं, तो इसकी तासीर ठंडी हो जाती है। इससे यह गर्मियों में भी शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाती। मूंगफली को भिगोकर खाने से एनर्जी मिलती है और साथ ही हार्ट हेल्थ भी बेहतर रहता है। इसके अलावा भी ये सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं गर्मियों में मूंगफली को भिगोकर खाने से क्या क्या फायदे होते हैं।

1. पाचन क्रिया के लिए

कच्ची मूंगफली में 'फाइटिक एसिड' नाम का एक तत्व होता है, जो पेट में भारीपन और गैस की समस्या पैदा कर सकता है। पानी में भिगोने से यह एसिड निकल जाता है और मूंगफली में मौजूद फाइबर आसानी से पच जाता है। इससे गर्मियों में होने वाली कब्ज, अपच और एसिडिटी की समस्या से राहत मिलती है।

2. पोषक तत्वों सोर्स

भिगोने की प्रक्रिया से मूंगफली के भीतर छिपे विटामिन्स और मिनरल्स एक्टिव हो जाते हैं। हमारा शरीर भीगी हुई मूंगफली में मौजूद आयरन, कैल्शियम, विटामिन-ई और पोटेशियम को बहुत आसानी से सोख लेता है, जिससे शरीर को पूरा पोषण मिलता है।

3. दिनभर बनी रहती है एनर्जी

गर्मियों में अक्सर धूप और पसीने के कारण शरीर जल्दी सुस्त होने लगता है। भीगी हुई मूंगफली में भरपूर मात्रा में प्रोटीन और हेल्दी फैट्स होते हैं। सुबह खाली पेट इसे खाने से शरीर का मेटाबॉलिज्म सुधरता है और आपको दिनभर एनर्जेटिक महसूस होता है।

4. दिल की सेहत और ब्लड सर्कुलेशन

भीगी हुई मूंगफली में ओमेगा-3 फैटी एसिड और कार्डियोप्रोटेक्टिव गुण होते हैं। यह शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करती है। इसके नियमित सेवन से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

सोमवार 26 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

केबिनेट बैठक 27 अक्टूबर को

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंगलवार 27 अक्टूबर को पूर्वान्ह 11.30 बजे से राज्य मंत्रिपरिषद (केबिनेट) की बैठक मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित होगी।

बड़े नाले के निर्माण में बाधा से भड़के वार्डवासी

महासमुंद। नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 29 भलेसर रोड में प्रस्तावित बड़े नाले के निर्माण कार्य में कथित बाधा को लेकर वार्डवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नाली की बदबू और जलभराव की समस्या से परेशान नागरिकों ने निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू को ज्ञापन सौंपा। वार्डवासियों ने बताया कि क्षेत्र में सुचारू जल निकासी के लिए बड़े नाले का निर्माण बेहद जरूरी है। इससे लंबे समय से चली आ रही जलभराव और गंदगी की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। निर्माण कार्य के लिए अग्रवाल समाज के भवन एवं आरएसएस समरसता भवन प्रबंधन ने जनहित में सहयोग करते हुए करीब 10 फीट की बाउंड्रीवॉल स्वयं हटाकर भूमि नगर पालिका को उपलब्ध कराई है।

ज्ञापन में वार्डवासियों ने आरोप लगाया है कि गौरव चंद्राकर एवं उनके भाइयों द्वारा नाली निर्माण कार्य में लगातार बाधा उत्पन्न की जा रही है। इसके चलते निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। नागरिकों ने संबंधित अधिकारियों से स्थल निरीक्षण कर वस्तुस्थिति की जांच कराने तथा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए निर्माण में आ रही बाधा दूर कराने की मांग की है।

4 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ग्राम चैतारी में एक व्यक्ति को 4 लीटर महुआ शराब के साथ पकड़ा। जब्त शराब की कीमत करीब 800 रुपए बताई गई है। आरोपी शराब को बिक्री के लिए लेकर घूम रहा था। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

रास्ते में रोककर गाली-गलौज

महासमुंद। सरायपाली के ग्राम केंदुआ में पुराने विवाद को लेकर तीन आरोपियों ने एक व्यक्ति के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज और मारपीट की। आरोप है कि आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ-मुक्कों से हमला किया। घटना 20 अक्टूबर की दोपहर करीब 4 बजे की है। पीड़ित की शिकायत पर सरायपाली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

नारियल से हमला, मारपीट में टूटा दांत

महासमुंद। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के गांधी चौक क्षेत्र में विवाद के दौरान आरोपियों ने एक व्यक्ति से गाली-गलौज करते हुए उस पर नारियल फेंक दिया। हमले में प्रार्थी का दांत टूट गया। घटना 21 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे की बताई गई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना: कांकेर में दो नए मार्गों पर बस सेवा शुरू

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने भानुप्रतापपुर-कोरर और भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर बसों को दिखाई हरी झंडी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत कांकेर जिले के दो नए मार्गों पर बस सेवा शुरू की गई है। परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने भानुप्रतापपुर-कोरर और भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन मार्गों पर बस सेवा शुरू होने से वनांचल के 40 से अधिक गांवों के लोगों को नियमित सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, हाट-बाजार और शासकीय कार्यों के लिए आवागमन में सहूलियत होगी।

परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से ऐसे गांव भी सार्वजनिक परिवहन से



जुड़ रहे हैं, जहां पहले नियमित बस सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इससे ग्रामीणों को विकासखंड मुख्यालय, अस्पताल, विद्यालय और बाजार तक पहुंचने में आसानी हो रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवहन का विस्तार केवल आवागमन की सुविधा नहीं, बल्कि दूरस्थ अंचलों को विकास के नए अवसरों से जोड़ने का माध्यम भी है।

कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम ने कहा कि सुदूर अंचलों तक शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। दूरस्थ गांवों में बस सेवा का विस्तार इसी दिशा में शासन की महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरुण कौशिक सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

रायपुर में 27 से 29 अक्टूबर तक होगी श्री गीता ज्ञान अमृत वर्षा कथा

प्रयागराज से पधारेंगे परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी), 30 अक्टूबर को होगा भव्य हवन

रायपुर ■ दैनन्दिनी



कार्तिक माह के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर में ज्ञान, भक्ति और कर्म की त्रिवेणी प्रवाहित करने के उद्देश्य से श्री गीता ज्ञान अमृत वर्षा कथा का आयोजन किया जा रहा है। प्रयागराज से पधार रहे परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) के श्रीमुख से गीता ज्ञान की अमृतमयी कथा 27 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगी।

यह तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन रायपुर के अश्वनी नगर स्थित सोनकर मैरिज पैलेस में संपन्न होगा। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान, भक्ति, कर्म और जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व से परिचित होने का अवसर मिलेगा। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

कथा के समापन के अगले दिन, 30 अक्टूबर को सुबह 7 बजे भव्य हवन का आयोजन* किया जाएगा। आयोजनकर्ता श्रीमती नमिता पात्रा एवं माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण करने तथा धार्मिक आयोजन में सहभागी बनने की अपील की है।

साथ ही सभी भक्त जनो के लिए माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के द्वारा प्रति दिन शाम आरती के बाद एक घंटा निःशुल्क स्वास्थ शिविर लगाया जाएगा,जिसमें सभी प्रकार के डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे।

यह जानकारी मीडिया प्रभारी श्रीमती कल्पना शुक्ला के द्वारा दिया गया।

मेडलेपार पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग की समन्वय बैठक हुई

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मेडलेपार (डमकस्मंच्त्) पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में एमएलसी एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट की ऑनलाइन प्रविष्टि, अपलोडिंग और सत्यापन की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर दुदावत ने कहा कि मेडलेपार भारत सरकार की नवीन कानून के क्रियान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से मेडिको-लीगल एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रक्रिया को पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाया जा रहा है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के डीन सहित सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेडलेपार पोर्टल पर सीसीटीएनएस के माध्यम से पोस्टमार्टम रिपोर्ट की एंट्री समय पर सुनिश्चित करें। एमएलसी प्रकरणों में भी किसी प्रकार की देरी न हो तथा पोर्टल पर लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए, ताकि पुलिस विवेचना एवं न्यायालयीन प्रक्रिया प्रभावित न हो।

कलेक्टर ने पोर्टल के संचालन में आने वाली तकनीकी एवं प्रक्रियागत समस्याओं का त्वरित निराकरण करने और संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी अमले को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग सुनिश्चित करने से रिपोर्टों का ऑनलाइन संधारण एवं आदान-प्रदान सुगम होगा और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ेगी। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि एमएलसी एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट संबंधित विभागों को मेडलेपार पोर्टल के माध्यम से ही प्रेषित की जाएं।

कलेक्टर तनुजा सलाम ने डीसीएस पॉलीगॉन सर्वे कार्य का किया निरीक्षण

मोहला। कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने डीसीएस पॉलीगॉन सर्वे कार्य का फील्ड पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सर्वे कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए मौके पर उपस्थित सर्वेयरों से सर्वे की प्रक्रिया एवं पीवी ऐप के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती सलाम ने सर्वेयरों को निर्धारित प्रक्रिया एवं मापदंडों का पालन करते हुए पीवी ऐप के माध्यम से सर्वे कार्य सावधानीपूर्वक एवं व्यवस्थित तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वे कार्य



के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही सर्वे में सटीकता, पारदर्शिता एवं डाटा की शुद्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

कलेक्टर ने कहा कि सर्वे कार्य में प्रत्येक जानकारी का संकलन पूरी सावधानी एवं जिम्मेदारी के साथ किया जाए, ताकि सर्वे का डाटा विश्वसनीय रहे और कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं सर्वेयरों को निर्धारित समय-सीमा में सर्वे कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

झारखंड से अवैध धान परिवहन करते दो पिकअप जब्त

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और दूसरे राज्यों से अवैध धान के परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा निगरानी बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के दुलदुला तहसील क्षेत्र में झारखंड से धान ला रहे दो पिकअप वाहनों को जब्त किया गया है।

कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशन में चलाए जा रहे जांच अभियान के तहत तहसीलदार दुलदुला श्री राहुल कौशिक और खाद्य निरीक्षक श्री संदीप गुप्ता ने 24 अक्टूबर की रात कार्रवाई की। दोनों पिकअप में झारखंड



के कुरडेग से धान लोड कर छत्तीसगढ़ के नारायणपुर चराईमारा ले जाया जा रहा था। जांच के दौरान धान परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिले। प्रशासनिक टीम ने दोनों पिकअप वाहनों और उनमें लदे धान को जब्त कर थाना दुलदुला के सुपुर्द कर दिया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई और प्रकरण तैयार करने के लिए मंडी निरीक्षक को भी सूचित किया गया है।

'सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई'

दुलदुला तहसील झारखंड की सीमा से लगी है। धान खरीदी के दौरान दूसरे राज्यों से धान लाकर छत्तीसगढ़ में खपाए जाने की आशंका को देखते हुए जिला और स्थानीय प्रशासन सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन जांच कर रहा है। प्रशासन ने अवैध परिवहन पर रोक लगाने और खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अभियान जारी रखने की बात कही है।

कोरबा की प्रमुख सड़कों के डामरीकरण कार्य का शुभारंभ मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया निरीक्षण



कोरबा। कोरबा शहर की प्रमुख सड़कों को बेहतर और सुगम बनाने के लिए डामरीकरण कार्य प्रारंभ हो गया है। उद्योग, वाणिज्य एवं आबकारी मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने शनिवार को सोनालिया पुल से ओवरब्रिज मार्ग पर चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने और निर्धारित समय-सीमा में इसे पूरा करने के निर्देश दिए।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन के प्रयासों से नगर निगम क्षेत्र के 20 प्रमुख मार्गों के डामरीकरण के लिए ₹24 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इन कार्यों का भूमिपूजन 19 अक्टूबर को कोसाबाड़ी चौक पर किया गया था। इसके बाद शनिवार को सोनालिया पुल से ओवरब्रिज मार्ग पर डामरीकरण कार्य शुरू हुआ।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों से कहा कि सभी स्वीकृत कार्य तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं। सड़क निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने निर्माण कार्य व्यवस्थित ढंग से कराने और कार्य के दौरान आम नागरिकों को आवागमन में अनावश्यक परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखने के निर्देश दिए।

शहर के प्रमुख मार्गों के डामरीकरण से नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और कोरबा के आधारभूत विकास को गति प्राप्त होगी।

इस अवसर पर नगर निगम के अधीक्षण अभियंता श्री भूषण उरांव, प्रभारी कार्यपालन अभियंता श्रीमती रुचि वर्मा, एमआईसी सदस्य श्री नरेंद्र देवांगन, श्री चंद्रलोक सिंह, श्री मुकुंद कंवर, श्री प्रफुल्ल तिवारी, श्री योगेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

वृद्धजनों के साथ मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सुनी 'मन की बात



रायपुर ■ दैनन्दिनी

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शासकीय वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 139वां संस्करण सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से महिला शक्ति, स्वच्छता, स्थानीय उत्पादों और युवाओं की सकारात्मक भूमिका से जुड़े विषयों पर संवाद किया।

प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती में महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि धरती मां को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से बचाने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। खेती और आजीविका के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी उनके आर्थिक सशक्तिकरण के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती देती है।

दीपावली और त्योहारों के मौसम को देखते हुए प्रधानमंत्री ने नागरिकों से स्थानीय उत्पाद खरीदने और 'वोकल फॉर लोकल' को प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने त्योहारों के दौरान स्वच्छता बनाए रखने और प्रदूषण कम करने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में जेन-ज़ी और युवाओं की सकारात्मक भूमिका पर भी चर्चा हुई।

'मन की बात' को जनभागीदारी और देश की लोकशक्ति से जुड़ने का माध्यम बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम के जरिए उन्हें हर परिवार के सदस्य की तरह देशवासियों से संवाद करने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के संदेश महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और स्थानीय उद्यमों को प्रोत्साहन देने की दिशा में जनसहभागिता को प्रेरित करते हैं।

:- संपादकीय :-

अब औपचारिकता भी नहीं?

इलॉन मस्क ने कुछ रोज पहले पूछा था कि क्या मुकेश अंबानी भारत के असली बॉस हैं? अब ऐसा लगता है कि अंदरूनी तौर पर डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन में सचमुच ऐसी राय बनी गई है! अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की ताजा भारत यात्रा के सिलसिले में यह उचित सवाल उठा है कि क्या अमेरिका अब भारत के साथ अपने संबंध में कूटनीतिक मयार्दा का पालन करने की जरूरत भी नहीं समझ रहा है। अरबपति अमेरिकी कारोबारी इलॉन मस्क ने कुछ रोज पहले पूछा था कि क्या मुकेश अंबानी भारत के असली बॉस हैं? अब ऐसा लगता है कि अंदरूनी तौर पर ऐसी ही राय डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन में बनी है। इसलिए रुबियो भारतीय कारोबारियों- खासकर रिलायंस ग्रुप के साथ व्यापारिक वार्ता के लिए सीधे मुंबई और जामनगर पहुंच रहे हैं।इस यात्रा का कार्यक्रम बनने के बाद भारत स्थित अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने ह्लउम्मीदह्व जताई कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर रुबियो से मिलने जाएंगे। बाद में खबर आई कि जयशंकर सचमुच मुंबई जा रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम है। यह दिखाता है कि ट्रंप प्रशासन भारत जैसे रणनीतिक सहयोगियों को जूनियर पार्टनर के रूप में देखता है और इस पर नरेंद्र मोदी सरकार को कोई एतराज नहीं है! रुबियो की यात्रा का मकसद अमेरिका में रिलायंस ग्रुप के रिफाइनरी लगाने की योजना को आगे बढ़ाना है। ट्रंप प्रशासन दुनिया भर से पूंजी और उत्पादक विशेषज्ञता को जुटाने के प्रयास में लगा है, ताकि अमेरिका में औद्योगिक ढांचा फिर से खड़ा हो सके।इस क्रम में भारतीय पूंजीपतियों पर उसकी खास निगाह है, जो सहज ही इस योजना में भागीदार बनने को उतावले दिखे हैं। अंबानी, रुइया, अडानी जैसे भारतीय समूह अमेरिका में बड़े निवेश का इरादा दिखा चुके हैं। भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए यह नई चुनौती है, जिसे खुद अभी अपने विकास के लिए बड़े पूंजी निवेश एवं कारोबारी महारत की जरूरत है। हैरतअंगेज है कि पूंजी निवेश की पलट गई इस दिशा पर ना तो भारत में कोई बहस है, और ना ही देश के दीर्घकालिक भविष्य के लिहाज से इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। जबकि इस दौर में अमेरिका सहित तमाम देश पूंजी प्रवाह को निर्देशित कर रहे हैं। बहरहाल, सबसे दुखद यह संदेश है कि अमेरिका भारत सरकार की संप्रभु प्रतिष्ठा का भी अब ख्याल नहीं रख रहा है।

सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

ललित गर्ग ।

सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को ह्यमुफ्तह्ल बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए।



फिर भी इस बदलाव को केवल शुल्क लगा या नहीं लगा के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है।भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक- यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है। उपभोक्ताअधिकार समझें

फिर भी इस बदलाव को केवल शुल्क लगा या नहीं लगा के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए।

यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है।यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरूआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था।इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है।

राशिफल

मेष राशि: आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। लवमेट्स के बीच चल रही अनबन आज समाप्त होगी।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढि?ा रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी दोस्त की मदद से अच्छी जॉब मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा।

कुम्भ राशि: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, बस थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है। गवर्नमेंट सेक्टर से जुड़े लोगों को उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। जिससे वह अपना कोई बड़ा प्रोजेक्ट पूरा करने में सफल होंगे। आपका वैवाहिक जीवन खूबसूरत रहेगा।

नजरिया | डॉ. उषा किरण बड़ाईक

प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल...

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असरप्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल है। परिवर्तन की यह बयार ग्रामीण क्षेत्रों में आमूलचूल बदलाव लेकर आ रही है। इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में दूर दराज क्षेत्रों तक पक्के आवास दिखाई देने लगे हैं और व्यापक पैमाने पर प्रधानमंत्री आवास योजना का कारगर असर दिखाई दे रहा है। ऐसे परिवर्तन के बहुत मायने हैं। यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद है, राहत है, रोशनी और खुशी है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिलने पर जनमानस के जीवन स्तर का उन्नयन हुआ है और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी है। राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के बेहतरीन क्रियान्वयन करने के लिए शिद्दत से कोशिश की गई है। जिंदगी भर अपने पक्के आवास का सपना देखने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवार थोड़ी-थोड़ी बचत करते हैं लेकिन फिर भी अपना पक्का घर बनाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। ऐसे में जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का संबल मिला तो उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने का हौसला मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकहितैषी योजनाओं से जनसामान्य को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। पक्का आवास मिलने पर जनसामान्य को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सम्मानजनक जीवन जीने का आधार मिला है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) प्रथम कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 18 लाख 12 हजार जरूरतमंद परिवारों को पीएम आवास देने को निर्णय लिया ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असरगया। अब तक 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत हुए है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 11 लाख 78 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। आत्मसमर्पित नक्सल और नक्सल पीड़ितों के लिए विशेष परियोजना से 15000 आवासों की स्वीकृति केंद्र शासन से मिली। जिनमें से राज्य में 5600 आवास स्वीकृत हुए। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 47 हजार हितग्राहियों के लिए आवास स्वीकृत किए गए थे। नवीन सरकार गठन के बाद इस श्रेणी के 39000 आवास स्वीकृत किए गये। जिसमें 24000 आवास पूर्ण हो चुके हैं।

वर्ष 2024 का नया सर्वे - वर्ष 2024 में आवास प्लस 2.0 का नया सर्वे किया गया। 11 सितंबर 2026 को भारत सरकार से छत्तीसगढ़ को करीब 3.65 लाख नए आवासों का लक्ष्य मिला है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असरप्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अतंर्गत 2 लाख 43 हजार स्वीकृत आवासों में से 2 लाख 22 हजार आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से पूर्ण आवासों में बीएलसी घटक के 1,93,175 आवास एवं पूर्ण आवासों में एएचपी घटक के 29,267 आवास हैं। बीएलसी घटक के अतंर्गत 75,709 आवास पूर्ण किए गए। वहीं एएचपी घटक के 13,082 आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से एएचपी घटक में 14,687 हितग्राहियों को आवास आबंटित किया गया है। एएचपी घटक में 12,530 हितग्राहियों का पूर्ण आवासों में व्यवस्थापन किया गया है। आवास निर्माण हेतु नगरीय निकायों को 909 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) के तहत क्षेत्रों में 1.32 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अतंर्गत सभी शहरों में डोर-टू-डोर सर्वे अभियान निरंतर जारी है। इसके लिए तकनीक आधारित सर्वे और तेज स्वीकृति प्रक्रिया के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। इप्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 अतंर्गत 71,416 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 4,129 आवास पूर्ण हुए हैं, वहीं 25,165 आवास निमार्णाधीन हैं।

विचार

सी.जे.पी. ने अपनी क्षमता से कहीं बड़ा लक्ष्य चुन लिया



नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का वार्षिक विजयादशमी व्याख्यान और प्रधानमंत्री का इंद्रप्रस्थ रामलीला मैदान में संबोधन, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार और उसके वैचारिक स्रोत में बढ़ती चिंता को दशार्ते हैं।आर.एस.एस. प्रमुख के मन में स्पष्ट रूप से कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले युवाओं द्वारा हाल ही में किए गए विरोध-प्रदर्शन और राहुल गांधी के नेतृत्व वाले विपक्ष का विचार था, जब उन्होंने कहा कि समाज, न कि विरोध प्रदर्शन, बदलाव ला सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बुरी ताकतें भारत को तोड?ा चाहती हैं।भागवत की टिप्पणियों से पता चलता है कि मोदी सरकार के कामकाज की शैली को लेकर आर.एस.एस. के जो भी मतभेद रहे हों, हाल के विरोध-प्रदर्शनों के मुद्दे पर संगठन पार्टी की सोच के साथ खड़ा है। इन प्रदर्शनों में अब तेजी से सत्ता परिवर्तन की मांग उठाई जा रही है। एक असामान्य कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी, जो आमतौर पर आर.एस.एस. पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी नहीं करते, ने कहा कि उन्हें भागवत का व्याख्यान अत्यंत प्रेरणादायक लगा। राष्ट्रीय राजधानी में विजयादशमी समारोह के दौरान अपने भाषण में मोदी ने कहा कि जब देश के हित दांव पर हों, तो सभी राजनीतिक दलों और संगठनों को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। भाजपा नेता देश में हाल के विरोध प्रदर्शनों के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने का आरोप लगाते रहे हैं और दावा करते रहे हैं कि इन प्रदर्शनों का वास्तविक उद्देश्य ह्यसत्ता परिवर्तनह्ल का प्रयास है। विरोध प्रदर्शनों के बढ़ते दायरे को देखते हुए यह चिंता उचित हो सकती है। फिलहाल विभिन्न कारणों से विरोध प्रदर्शनों में विराम आया है और यह देखना बाकी है कि विपक्षी दल या कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व वाला युवा आंदोलन फिर से अपनी गति हासिल कर पाता है या नहीं।हालांकि, शुरूआती लामबंदी, जिसकी शुरूआत भारत के मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोचों पर की गई टिप्पणी के आधार पर किए गए एक ट्वीट से हुई थी, पहले चरण का विरोध प्रदर्शन समाप्त होने के बाद से कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है।

जी का जंजाल है मगर बिना इसके जी नहीं लगता

यमदूत जनकलाल मुस्कुराया और बोला, हे पुण्यात्मा! अब इसकी कोई जरूरत नहीं है। आपको बिना मोबाइल के ही मृत्युलोक से विदा होना पड़ेगा। वहां मोबाइल-फोबाइल का कोई चक्कर नहीं है। वहां तो परम शांति रहती है।मोबाइल जी का जंजाल है। इसके बिना व्यक्ति का जी नहीं लगता। कुछ देर के लिए मोबाइल पास में न हो, तो जी घबराने लगता है। लगता है, मानो लोगों की आत्मा मोबाइल में ही बसा करती है। बिना मोबाइल के आदमी की मोबिलिटी भी आशंकाओं से घिर जाती है। लोग पूछने लगते हैं, ह्यभैया, आजकल हो कहां? दिखाई नहीं दे रहे हो!भूलवश मोबाइल कहीं छूट जाए, तो लगता है कि आदमी भरी भीड़ में भी नितांत अकेला पड़ गया है। आशंका सताने लगती है कि कोई आकर लूट न ले। बिना मोबाइल के वाहन चलाना किसी बिगड़े हुए जानवर की सवारी करने जैसा प्रतीत होता है। जानवर किसी भी दिशा में दौड़ा ले जाएगा और हम रास्ता भटक जाएंगे। मैप के सहारे दौड़ते वाहनों के चालकों की नजर सड़क पर कम और मोबाइल पर अधिक टिकी रहती है। हालत यह है कि लोगों को रोजमर्रा के आने-जाने वाले रास्ते तक याद नहीं रहते।

बहरहाल, देवलोक के जन्म-मरण विभाग में यमदूतों को आदेश दिया गया कि मृत्युलोक में जनकलाल की आयु पूरी हो चुकी है। उनकी आत्मा को तुरत-फुरत लाया जाए। आदेश मिलते ही यमदूत रवाना हो गए।इधर जनकलाल बड़ी बेचैनी से बिस्तर पर लेटे हुए मोबाइल देख रहे थे। कानों में तारारहित ध्वनि-यंत्र ठूंसे हुए थे और व्हाट्सऐप के माध्यम से ज्ञान-परिमार्जन का क्रम जारी था। जनकलाल अपनी बीमार तबीयत का हाल-ए-बयां फेसबुक पर साझा कर चुके थे। कमेंट्स की झड़ी लगी हुई थी। उनकी बीमारी की खबर यूट्यूब और रील-तंत्र तक भी पहुंच चुकी थी। रीलों के जंजाल में हृदयाघात से संबंधित रीलों का तांता लग गया था, तो यूट्यूब पर हृदय रोग विशेषज्ञों के वीडियो अटे पड़े थे।कहते हैं कि मरीज को अपनी बीमारी के बारे में बार-बार नहीं सोचना चाहिए, अन्यथा उसके लक्षण और प्रबल हो जाते हैं तथा तकलीफ बढ़ जाती है। ऐसा करते-करते स्वस्थ व्यक्ति भी स्वयं को बीमार महसूस करने लगता है।यमदूत जैसे ही जनकलाल के शयनकक्ष में प्रकट हुए, इंद्रजाल में उलझा उनका हृदय एकाएक थम गया। पल-पल उनके स्वास्थ्य की जानकारी मुहैया कराने वाला हमसफर मोबाइल हाथ से छूटकर फर्श पर जा गिरा। जनकलाल की आत्मा हड़बड़ाकर शरीर से बाहर कूद आई और पलंग के नीचे मोबाइल ढूंढ़ने लगी।यमदूत जनकलाल की बेसब्री देखकर मुस्कुराया और बोला, ह्यहे पुण्यात्मा! अब इसकी कोई जरूरत नहीं है। आपको बिना मोबाइल के ही मृत्युलोक से विदा होना पड़ेगा। वहां मोबाइल-फोबाइल का कोई चक्कर नहीं है। वहां तो परम शांति रहती है।लेकिन जनकलाल की आत्मा विदा होते-होते भी कसमसाती हुई गुनगुना रही थी–ह्यओ साथी रे... मोबाइल बिना भी क्या जीना!

कवर्धा में तेंदुए की तलाश में जुटा वन विभाग, 40 लोगों की टीम गठित

रेस्क्यू के लिए विभाग अलर्ट

-विकाश शुक्ला

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। शहर में पिछले तीन दिनों से तेंदुए की मौजूदगी को लेकर सामने आ रही सूचनाओं और अलग-अलग स्थानों पर उसकी आवाजाही के वीडियो की चर्चा से लोगों की चिंता बढ़ गई है। वन विभाग ने तेंदुए की संभावित मौजूदगी पर नजर रखने के लिए 40 लोगों की टीम गठित की है। विभाग का कहना है कि तेंदुआ दिखाई देने की पुष्टि होते ही रेस्क्यू की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और वन विभाग की टीमें सतर्क हैं तथा पेट्रोलिंग बढ़ाकर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

तीन दिनों से तेंदुए की मौजूदगी

शहर में पिछले तीन दिनों से तेंदुआ दिखाई देने की सूचनाएं सामने आ रही हैं। अलग-अलग स्थानों पर उसकी आवाजाही से संबंधित वीडियो सीसीटीवी कैमरों में कैद होने की चर्चा भी है। हालांकि, इन वीडियो की प्रामाणिकता और उनमें दिखाई देने वाले वन्यजीव की पहचान की आधिकारिक पुष्टि होना जरूरी है। ऐसे में संबंधित फुटेज की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना महत्वपूर्ण हो गया है। कवर्धा में इससे पहले एक निजी अस्पताल परिसर में तेंदुआ दिखाई दिया था। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उसका सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसे जंगल में छोड़ दिया था। इसी तरह ग्राम जैतपुरी के खेत में तेंदुआ दिखाई देने की सूचना पर डायल 112 की कोतवाली पैंथर-01 टीम तत्काल मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने वन विभाग की रेस्क्यू टीम को सूचित कर आवश्यक सहयोग दिया था।

संभावित खतरे को हल्के में लेना पड़ सकता है भारी

तेंदुआ एक जंगली शिकारी जीव है। सामान्य परिस्थितियों में वह मनुष्यों से दूरी बनाए रखने की कोशिश करता है, लेकिन घिरने, उकसाए जाने या अचानक आमना-सामना होने पर हमला करने का खतरा रहता है।



इसलिए शहर में उसकी संभावित मौजूदगी को लेकर सतर्कता जरूरी है। लोगों को न तो अपुष्ट सूचनाओं के आधार पर दहशत फैलानी चाहिए और न ही किसी वास्तविक सूचना को बिना जांच के खारिज करना चाहिए।

यदि सीसीटीवी फुटेज में तेंदुए की आवाजाही के संकेत मिलते हैं, तो संबंधित स्थानों की जांच कर नागरिकों को वास्तविक स्थिति से अवगत कराना जरूरी है। इससे लोगों को सतर्क रहने और संभावित खतरे वाले क्षेत्रों से बचने में मदद मिलेगी।

पुलिस-वन विभाग की पेट्रोलिंग, नागरिकों से सतर्कता की अपील

कबीरधाम पुलिस के अनुसार, तेंदुआ दिखाई देने संबंधी सूचनाओं की जांच की जा रही है। पेट्रोलिंग टीमों को सक्रिय रखा गया है और सूचना तंत्र के माध्यम से वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने यह भी कहा है कि कई प्रसारित सूचनाएं भ्रामक पाई गई हैं। इसलिए बिना पुष्टि के फोटो, वीडियो या संदेश प्रसारित करने से बचना चाहिए।

नागरिकों से अपील की गई है कि तेंदुआ अथवा अन्य वन्यजीव दिखाई देने पर तत्काल डायल 112 या वन विभाग को सूचना दें। वन्यजीव के पास जाने, उसका पीछा करने, उसे घेरने या पकड़ने का प्रयास न करें। मौके पर भीड़ न लगाएं और बच्चों को संभावित खतरे वाले स्थानों पर अकेले न जाने दें।

40 लोगों की टीम गठित, तेंदुए की आवाजाही पर नजर

वन विभाग के उप वन मंडल अधिकारी अभिनव केश्वरवानी एवम रेंजर विप्लव बोरकर ने बताया कि तेंदुए की संभावित आवाजाही पर नजर रखने के लिए 40 लोगों की टीम गठित की गई है। टीम लगातार निगरानी कर रही है। तेंदुआ दिखाई देने की पुष्टि होते ही नियमानुसार रेस्क्यू की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वन विभाग अलर्ट मोड पर है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

शहर में पिछले तीन दिनों से तेंदुए की मौजूदगी को लेकर सामने आ रही सूचनाओं के बीच प्रशासन के सामने चुनौती संभावित खतरे की पहचान कर समय रहते जरूरी कदम उठाने की है। इसके लिए संदिग्ध स्थानों पर गश्त, सीसीटीवी फुटेज की जांच और नागरिकों को समय पर आधिकारिक जानकारी उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है। फिलहाल शहरवासियों को सतर्क रहने और किसी भी सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस अथवा वन विभाग पर भरोसा करने की जरूरत है, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो और अफवाहों के कारण अनावश्यक भय का माहौल न बने।

हार-जीत का दांव लगाते 4 जुआरी सपड़ाये



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। ग्राम घोठिया के तालाब पार में सार्वजनिक स्थान पर 52 पत्ती ताश से रुपये-पैसों का दांव लगाकर हार-जीत का जुआ खेल रहे चार आरोपियों अन्ना भटट एवं वाल्मिकी डहरिया, दोनों निवासी घोठिया तथा जगेशर पटेल एवं रंजीत बंजारे, दोनों निवासी छिरहा, थाना कवर्धा को पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से 8,900/- रुपये नगद एवं 52 पत्ती ताश जप्त की गई। इस संबंध में थाना कवर्धा में अपराध क्रमांक 490/2026, धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

थाना पिपरिया एवं पुलिस चौकी दशरंगपुर की कार्यवाही

थाना पिपरिया पुलिस द्वारा बड़े बाजार के पास, पिपरिया में सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए जाने पर साहेबदास पिता स्व. लसरिया बंजारे, उम्र 65 वर्ष, निवासी भीमपुरी, थाना कवर्धा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 338/2026, धारा 36(च), 1 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

इसी क्रम में पुलिस चौकी दशरंगपुर द्वारा ग्राम दशरंगपुर में आबकारी एक्ट के तहत तीन अलग-अलग प्रकरणों में कार्यवाही की गई। सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए जाने पर मिलन पिता धनसाय निषाद, उम्र 26 वर्ष, निवासी दशरंगपुर के विरुद्ध अपराध क्रमांक 339/2026, धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। वहीं, ग्राम दशरंगपुर में अपनी दुकान पर लोगों को शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने के आरोप में ओमप्रकाश पिता अनुज निषाद, उम्र 26 वर्ष तथा अहमद पिता नवाब खान, उम्र 44 वर्ष, दोनों निवासी दशरंगपुर के विरुद्ध क्रमशः अपराध क्रमांक 340/2026 एवं 341/2026, धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। कबीरधाम पुलिस द्वारा जिले में जुआ-सट्टा एवं आबकारी संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में एस.आई.आर के दौरान फॉर्म-7 का बड़े पैमाने पर दुरूपयोग : मोहम्मद अकबर

मतदाताओं के नाम फ़र्ज़ी तरीके से कटवाने पर 1 साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर ने छत्तीसगढ़ की मतदाता सूची में लगभग 25 लाख मतदाताओं के नाम कम होने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने फॉर्म -7 की पूरी प्रक्रिया कि जांच की मांग की है, जिसके जरिए मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। दस्तावेजों के आधार पर बयान जारी करते हुए मोहम्मद अकबर ने कहा है कि वर्ष 2023 से अब तक आबादी बढ़ी है लेकिन 24 लाख 99 हजार मतदाता कम हो गए। भारत निर्वाचन आयोग को इस मामले में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। छत्तीसगढ़ में एस.आई.आर के दौरान बहुत बड़े पैमाने पर फॉर्म-7 का दुरुपयोग कर वोट कटवाने का काम किया गया है। निर्धारित प्रक्रियाओं और नियमों का पालन नहीं किए जाने को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।



मोहम्मद अकबर ने बताया कि प्रावधान अनुसार फॉर्म-7 की आपत्ति पर सुनवाई के दौरान सबसे पहले आपत्तिकर्ता को नोटिस जारी करते हुए व्यक्तिगत सुना जाएगा तथा उसका बयान दर्ज किया जाएगा। अधिकारी को आपत्ति और उसके वैधता के संबंध में स्वयं संतुष्ट होना होगा। जिस व्यक्ति के नाम पर आपत्ति की गई है, उसे आदेश पारित करने के पूर्व सुना जाएगा। इसका मतलब यह है कि केवल फॉर्म-7 दाखिल हो जाने से किसी मतदाता का नाम अपने आप नहीं कट जाता, झूठी शिकायत करने पर उक्त आवेदक के विरुद्ध कार्यवाही की जा सकती है, जिसने फॉर्म-7 में जानबूझकर गलत कथन या घोषणा दी है। ऐसी कार्यवाही जनप्रतिनिधि अधिनियम 1950 की धारा 31 के प्रावधानों के अनुसार की जाएगी जो की कारावास से जिसकी अवधि एक वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से दंडनीय है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि राज्य के 33 जिलों में 1,08,807 मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जिसमें प्रमुख रूप से रायपुर 31,028 ,कोरबा 15,187 ,कबीरधाम 2,234 ,बालोद 3,903 ,बलोदाबाजार-भाटापारा 2,662 ,दुर्ग 7,209 इत्यादि ,उन्होंने निर्वाचन आयोग से पूछा है कि इनमें से फॉर्म-7 के आधार पर कितने हैं? क्या आक्षेप आवेदनकर्ता के बयान लिए गए हैं? क्या जिनके नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं उनको सुनवाई का अवसर दिया गया है? कितने मामलों में शिकायतें झूठी पाई गई और कितने मामलों में आक्षेप आवेदनकर्ता फर्जी पाए गए? ऐसे मामलों में क्या धारा-31 के प्रावधान अनुसार कार्यवाही की गई जिसमें 1 साल की सजा या जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

इन सभी मामलों में जवाब मिलना चाहिए तथा इसके साथ ही यह भी बताना चाहिए कि वर्ष-2023 से अब तक आबादी बढ़ी है फिर 24 लाख 99 हजार मतदाता कैसे कम हो गए?

गरियाबंद जिले में बारिश और तेज हवाओं की आशंका

28 और 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में वर्षा की संभावना

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार चक्रवात के उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर पहुंचने की संभावना के मद्देनजर छत्तीसगढ़ में आगामी दिनों में मौसम प्रभावित हो सकता है। इसके प्रभाव से 27 अक्टूबर को सुकमा और दंतेवाड़ा तथा 28 एवं 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में वर्षा होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने प्रदेश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। गरियाबंद जिले में संभावित वर्षा और तेज हवाओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर रणबीर शर्मा ने संबंधित विभागों को सतर्क रहने तथा आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

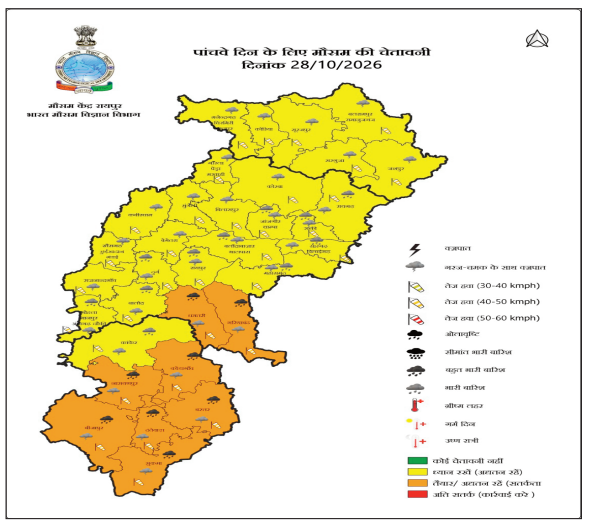
गांवों में मुनादी कराकर लोगों को करें सतर्क -

कलेक्टर श्री शर्मा ने अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित किया है कि मौसम खराब होने और संभावित नुकसान के संबंध में गांव-गांव में कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराई जाए। इसके जरिए ग्रामीणों को फसलों, मवेशियों, आम नागरिकों तथा शासकीय एवं निजी संपत्तियों को संभावित नुकसान के प्रति सतर्क किया जाए। लोगों को मौसम की स्थिति के अनुरूप सावधानी बरतने और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन को तत्काल सूचना देने के लिए जागरूक किया जाए।

कंट्रोल रूम सक्रिय रखें, मौसम चेतावनी पर रखें नजर -

कलेक्टर ने जिला एवं तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय रखने और मौसम विभाग से जारी चेतावनियों की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। राजस्व, पुलिस, पंचायत, स्वास्थ्य, विद्युत तथा अन्य संबंधित विभागों को अलर्ट पर रहने और आपसी समन्वय से कार्य करने को कहा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

निचले क्षेत्रों और जलभराव वाले स्थानों पर विशेष निगरानी -



संभावित वर्षा को देखते हुए निचले क्षेत्रों, जलभराव वाले स्थानों तथा बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक राहत एवं बचाव व्यवस्था तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा प्रबंधन से जुड़े दलों को आवश्यक उपकरणों के साथ तैयार रखने तथा जरूरत पड़ने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को बांधों एवं जलाशयों के जलस्तर पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

यदि जल निकासी की आवश्यकता उत्पन्न होती है, तो प्रभावित क्षेत्रों में समय रहते सूचना पहुंचाई जाए और जनसुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही बिजली आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आवश्यक सेवाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए विभागों को सतर्क रहने को कहा गया है।

जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता -

कलेक्टर श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में तैयारियों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें और जिला प्रशासन को किसी भी संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क रखें। मौसम संबंधी चेतावनियों की जानकारी आम नागरिकों तक समय पर पहुंचाने और जरूरत पड़ने पर त्वरित राहत एवं बचाव कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है। जिला प्रशासन ने संभावित खराब मौसम को देखते हुए नागरिकों से सतर्क रहने, मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने तथा तेज हवा और वर्षा के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य संभावित नुकसान को कम करना और जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सेम्हरतरा में गूंजी मन की बात, मंत्री गजेंद्र यादव और विधायक रोहित साहू की मौजूदगी में ग्रामीणों ने सुने पीएम मोदी के विचार

विधायक की मांग पर मंत्री यादव ने कोमा मिडिल स्कूल का हाईस्कूल में,चरौदा हाईस्कूल का हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन और सेमहरतरा व पिपरछेड़ी स्कूल का डिजिटलीकरण की घोषणा की



गरियाबंद/राजिम (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के प्रसारण को सुनने के लिए गरियाबंद जिले के ग्राम पंचायत सेम्हरतरा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव और विशिष्ट अतिथि के रूप में राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू उपस्थित रहे। साथ ही भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर और अनेक पदाधिकारी भी शामिल हुए।कार्यक्रम में ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री मोदी के विचारों को अत्यंत उत्साह के साथ सुना। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विकास को गति देते हुए मंत्री गजेंद्र यादव ने विधायक रोहित साहू की प्रमुख मांगों पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं और सौगातें प्रदान कीं जिसमें प्रमुख रूप से ग्राम चरौदा (छुरा) स्थित हाई स्कूल का हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन। ग्राम कोमा (फिंगेश्वर) स्थित मिडिल स्कूल का हाई स्कूल में उन्नयन साथ ही प्राथमिक शाला सेम्हरतरा और प्राथमिक शाला पिपरछेड़ी का डिजिटलीकरण और प्रार्थना शेड निर्माण की सौगातें शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देश के कोने-कोने में छिपी प्रतिभाओं, सामाजिक बदलाव की कहानियों और जन-कल्याणकारी सोच का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर छत्तीसगढ़ के दूर-अंचल तक शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विधायक रोहित साहू के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के चहुंमुखी विकास में संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

राजिम विधायक श्री रोहित साहू ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि मन की बात देशवासियों को राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जुड़ने की निरंतर प्रेरणा देती है। अपने क्षेत्र की जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विधायक ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। उन्होंने चरौदा में हायर सेकेंडरी स्कूल और कोमा में हाई स्कूल की सौगात मिलने पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का आभार व्यक्त किया तथा ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे शासन की इन योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं और बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाएं। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री अनिल चंद्राकर ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार जनता की हर उम्मीद पर खरा उतर रही है। उन्होंने संगठन की मजबूती और केंद्र-राज्य की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया तथा आज की सौगातों के लिए मंत्री और विधायक का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस दौरान डॉ. रामकुमार साहू पूर्व अध्यक्ष भाजपा जिला गरियाबंद,सुरेंद्र सोनटेके जिला मंत्री भाजपा गरियाबंद,रिकेश साहू अध्यक्ष, भाजपा मंडल राजिम,नेहरू साहू जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि,हरीश साहू सरपंच एवं अध्यक्ष, सरपंच संघ जिला गरियाबंद,वीरेंद्र साहू सरपंच कुम्ही, बोधन यादव सरपंच जेंजरा, घनश्याम साहू सरपंच सुरसाबांधा, बलराम साहू सरपंच कोमा,होरी साहू, श्रीमती नीरा साहू पूर्व जनपद सदस्य,जिनेन्द्र साहू, तुलाराम साहू बूथ अध्यक्ष, महेंद्र साहू, नंदजी साहू उपसरपंच, प्रकाश साहू अध्यक्ष ग्राम विकास समिति, हरिराम साहू अध्यक्ष साहू समाज बेलर परिक्षेत्र, ओमप्रकाश साहू पूर्व सरपंच देवगांव,दिलीप साहू, सूदन साहू, दयाराम साहू, मंशाराम साहू, बिष्णु राम साहू, मदन साहू, जीवन साहू, किसलाल साहू, पन्ना लाल निर्मलकर, शिवशंकर साहू, युगल साहू, हुलास साहूसुभाष शर्मा बीआरसीसी फिंगेश्वर, नरेश साहू संकुल समन्वयक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चक्रवात के असर से 28-29 अक्टूबर को प्रदेशभर में बारिश की संभावना, ऑरेंज अलर्ट जारी



कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने दिए सतर्कता बरतने और राहत-बचाव की तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में आगामी दिनों में बारिश होने की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने प्रदेश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार चक्रवात के उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर लैंडफॉल करने की संभावना है। इसके प्रभाव से 27 अक्टूबर को सुकमा और दंतेवाड़ा जिले में, जबकि 28 एवं 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में बारिश होने की संभावना जताई गई है।

मौसम की संभावित स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिला प्रशासन के सभी संबंधित विभागों को अलर्ट पर रहने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहे तथा जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता हो।

कंट्रोल रूम सक्रिय रखने के निर्देश

कलेक्टर ने जिला एवं तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय रखने तथा मौसम विभाग की चेतावनियों पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए हैं। राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, पंचायत, स्वास्थ्य, विद्युत सहित अन्य संबंधित विभागों को सतर्क रहने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा गया है।

जलभराव वाले क्षेत्रों पर विशेष नजर

बारिश की आशंका को देखते हुए निचले इलाकों, जलभराव वाले स्थानों और बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यकतानुसार राहत एवं बचाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही एसडीआरएफ, होमगार्ड एवं अन्य बचाव दलों को आवश्यक उपकरणों के साथ तैयार रखने को कहा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

जलाशयों के जलस्तर की होगी निगरानी

कलेक्टर ने जलाशयों एवं बांधों के जलस्तर की नियमित निगरानी करने तथा पानी की निकासी की स्थिति में संबंधित क्षेत्रों के लोगों को समय रहते चेतावनी देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आमजन तक मौसम संबंधी सूचनाएं समय पर पहुंचाने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर उन्हें समय रहते पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संभावित बारिश के दौरान जनसुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और जिला प्रशासन किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहे।

पीवी सिंधु ने फ्रेंच ओपन 2026 के फाइनल में पक्की की जगह खिताबी मुकाबले में होगा साउथ कोरिया की आन से यंग से सामना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का फ्रेंच ओपन 2026 टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल देखने को मिल रहा है, जिसमें उन्होंने 24 अक्टूबर को हुए महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में जापान की अकेची को तीन गेम तक चले मैच में 2-1 के अंतर से मात देने के साथ साल 2026 में दूसरी बार सुपर 750 टूर्नामेंट के फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। अब खिताबी मुकाबले में पीवी सिंधु का सामना साउथ कोरिया की वर्ल्ड रैंकिंग नंबर-1 खिलाड़ी आन से यांग से होगा जिनके खिलाफ अब तक सिंधु का रिकॉर्ड बेहतर देखने को नहीं मिला है और ऐसे में 25 अक्टूबर को होने वाला फाइनल मैच उनके लिए बिल्कुल भी आसान नहीं रहने वाला है।



पीवी सिंधु ने जापान की खिलाड़ी हिना अकेची के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत काफी शानदार तरीके से की थी जिसमें उन्होंने पहले सेट को एकतरफा 21-10 के अंतर से अपने नाम करने के साथ मुकाबले में 1-0 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद दूसरे सेट में सिंधु को अकेची से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा जिसमें उन्होंने यह सेट 20-22 के अंतर से गंवा दिया और मुकाबला 1-1 से बराबरी पर आ गया जिसके बाद सभी की नजरें इस मुकाबले के तीसरे और निर्णायक सेट पर टिकी हुई थी।

जापान की हिना अकेची के खिलाफ पीवी सिंधु ने दूसरे सेट गंवाने के बाद तीसरे सेट की शुरुआत काफी शानदार तरीके से की जिसमें उन्होंने शुरुआत से ही बढ़त बनाकर रखी हुई थी। इसके बाद सिंधु ने इस सेट को 21-16 के अंतर से जीतने के साथ मुकाबला अपने नाम किया और फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया। सिंधु और अकेची के बीच में यह सेमीफाइनल मुकाबला एक घंटे 13 मिनट तक चला जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच में बेहतरीन टक्कर देखने को मिली। सिंधु ने इस मैच में जीत के बाद दिए अपने बयान में जहां खुशी व्यक्त की तो वहीं उन्होंने कहा कि पिछले करीब डेढ़ साल काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। वह मेरे लिए मुश्किल दौर था। ऐसे में मेरे लिए यह समझना बेहद जरूरी था कि मुझे पीछे लौटकर बिल्कुल शुरुआत से काम करना होगा। हमने एक टीम बनाई और यह समझने की कोशिश की कि शारीरिक और मानसिक रूप से हमारी स्थिति क्या है और हम कहां खड़े हैं।

भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर रचा इतिहास 300वें T20I में छुआ बड़ा मुकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने T20I क्रिकेट में ऐसा मुकाम हासिल कर लिया है, जहां तक दुनिया की कोई दूसरी टीम नहीं पहुंच सकी है। न्यूजीलैंड को उसी के घर में हराकर टीम इंडिया ने एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। भारत अब T20I क्रिकेट 200 मुकाबले जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई है। खास बात यह है कि यह उपलब्धि भारत ने अपने 300वें T20 इंटरनेशनल मैच में हासिल की।



24 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेले गए मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया। मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 180 रन बनाए और भारत के सामने 181 रन का लक्ष्य रखा। भारतीय टीम ने 19.5 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में 2-0 की बढ़त भी बना ली। भारत की इस जीत में तिलक वर्मा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद की। उनके अलावा नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। भारतीय टीम के लिए यह जीत सीरीज में बढ़त बनाने के साथ-साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने के लिहाज से भी खास रही। भारत T20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 200 जीत का आंकड़ा छूने वाली दुनिया की पहली टीम है।

इस मामले में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है, जिसने 304 मुकाबलों में 176 जीत दर्ज की हैं। न्यूजीलैंड 269 मैचों में 135 जीत के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत ने 2006 से 2026 के बीच खेले गए 300 T20 इंटरनेशनल मुकाबलों में 200 जीत हासिल की हैं। इस दौरान टीम को 83 मैचों में हार मिली, जबकि सात मुकाबले टाई रहे और 10 मैचों का कोई नतीजा नहीं निकला। T20 इंटरनेशनल में भारत की उपलब्धियां केवल जीत तक सीमित नहीं हैं। टीम ने सुपर ओवर में भी 6 मुकाबले जीते हैं। नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक मैच बारिश के कारण टाई रहा था।

T20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड कई बड़ी टीमों के खिलाफ मजबूत रहा है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ 22-22 मुकाबले जीते हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ 33 T20 इंटरनेशनल मैचों में भारत का जीत-हार का रिकॉर्ड 19-11 का है।

पहली बार टी20 इंटरनेशनल में सिंगल डिजिट स्कोर पर वैभव लौटे पवेलियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग 11 में दो बदलाव किए थे, जिसमें चोटिल ईशान किशन और मयंक यादव जहां बाहर हुए तो वहीं वैभव सूर्यवंशी और प्रिंस यादव को शामिल किया गया। फैंस की नजरें सबसे ज्यादा 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर थी, जिनके मैदान पर उतरने का इंतजार बेसब्री से किया जा रहा था। वैभव सूर्यवंशी ने अपना पिछला मुकाबला एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था, जिसके बाद उनको अब खेलने का मौका मिला लेकिन वैभव क्राइस्टचर्च में खेले गए मैच में अपने बल्ले का कमाल दिखा पाने में कामयाब नहीं हो सके और उनका एक अनोखा सिलसिला भी इसी के साथ खत्म हो गया। वैभव सूर्यवंशी ने जब टी20 इंटरनेशनल में इंग्लैंड के खिलाफ अपना डेब्यू मुकाबला खेला था उसमें उन्होंने 14 रन बनाए थे, इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच से उतरने से पहले वैभव ने कुल 7 और टी20 मैच खेले जिसमें वह दहाई का आंकड़ा अपनी पारी में पार करने में कामयाब रहे थे जिसमें दो मैचों में उनके बल्ले से अर्धशतकीय पारी भी देखने को मिली थी। हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में वैभव सूर्यवंशी जब नंबर-3 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करने उतरे तो वह सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए जिसमें वह पहली बार टी20 इंटरनेशनल में सिंगल डिजिट स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में वैभव सूर्यवंशी को ईशान किशन के चोटिल होने की वजह से शामिल किया गया था, जिसके बाद अब यदि तीसरे टी20 मुकाबले तक ईशान किशन पूरी तरह से फिट नहीं हो पाते हैं तो उस स्थिति में वैभव के पास खुद को साबित करने का मौका मिल सकता है और ऐसे में सभी की नजरें उनको लेकर रहने वाली हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में इस सीरीज का तीसरा मुकाबला 27 अक्टूबर को वेलिंग्टन के स्टेडियम में खेला जाएगा।

बांग्लादेश को लगा तगड़ा झटका, वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए नाहिद राणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज नाहिद राणा चोट के कारण दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी चोट इतनी गंभीर है कि नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में भी उनके खेलने पर संशय बना हुआ है। राणा के कंधे के पास मौजूद लैब्रम में चोट का पता चला है, जिसके बाद उन्हें रिहैबिलिटेशन से गुजरना पड़ रहा है।



क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, राणा को हो रही परेशानी का आकलन करने के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी BCB ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया भेजा था। इससे पहले माना जा रहा था कि तेज गेंदबाज की पीठ और पेल्विक एरिया में कमजोरी है, लेकिन बोर्ड ने दूसरी राय लेने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया में जांच के बाद उनकी चोट की असली वजह सामने आई। राणा को शुक्रवार को घोषित बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में भी जगह नहीं मिली थी। अब यह स्पष्ट हो गया है कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पूरी टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से शुरू होना है।

BCB के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि हां, लैब्रम में चोट का पता चला है। ऑस्ट्रेलिया में उन्हें इंजेक्शन दिया जा चुका है और उन्होंने अपना रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि वह शुक्रवार यानी 30 अक्टूबर को गेंदबाजी शुरू कर सकेंगे।हालांकि, अधिकारी को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट तक राणा के पूरी तरह फिट होने का भरोसा नहीं है। दूसरे टेस्ट में उनकी उपलब्धता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह कितनी तेजी से चोट से उबरते हैं। यदि वह दूसरे टेस्ट से पहले फिट नहीं हो पाते हैं, तो साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं।

राणा के लिए यह चोट एक और बड़ा झटका है। वह इससे पहले भी चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से दूर रहे हैं। जुलाई में जिम्बाब्वे दौरे के दौरान उन्हें ग्रेड-2 साइड स्ट्रेन हुआ था, जिसके चलते वह ऑस्ट्रेलिया दौरे, एशियन गेम्स और अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से बाहर हो गए थे।

व्यापार

FPIs ने अक्टूबर में अब तक 48,056 करोड़ के शेयर बेचे

मुंबई (एजेंसी)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) ने अक्टूबर में अभी तक भारतीय शेयर बाजार से 48,056 करोड़ रुपये के शेयर बेचकर पैसे निकाले हैं। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई की चिंता और कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों के कारण विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी है। हालांकि, पिछले हफ्ते के दौरान बिकवाली की रफ्तार में भारी कमी आई और 2 ट्रेडिंग सेशन में वे शुद्ध खरीदार बने रहे।



विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जुलाई और अगस्त में किया था निवेश

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (CDSL) के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय शेयर बाजारों से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले जुलाई में उन्होंने 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था। अक्टूबर की बिकवाली के साथ साल 2026 में भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 3.08 लाख करोड़ रुपये हो गई है। ये साल 2025 के पूरे साल में निकाली गई 1.66 लाख करोड़ रुपये की राशि से बहुत ज्यादा है।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, पश्चिम एशिया तनाव ने बिगाड़ रखा है माहौल

चॉइस वेल्थ के चीफ इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी ऑफिसर धीरज गौड़ ने कहा कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली के पीछे कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, पश्चिम एशिया तनाव, कंपनियों के कमजोर नतीजे, महंगाई की आशंकाएं और घरेलू बाजार में नकदी की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता प्रमुख कारण हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर करीब 114 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं।

अमेरिकी बॉण्ड यील्ड में गिरावट, रुपये में मजबूती ने बदला मूड

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के चीफ इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी. के. विजयकुमार ने कहा कि 23 अक्टूबर को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी निवेशकों की बिकवाली में कमी आने के पीछे अमेरिकी बॉण्ड यील्ड में गिरावट, रुपये में मजबूती और आकर्षक शेयर वैल्यूएशन जैसे कारक रहे। अमेरिका में 10 साल के बॉण्ड पर यील्ड 5.36 प्रतिशत से घटकर करीब 5 प्रतिशत पर आ गया, जबकि रुपया मजबूत होकर 94.94 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। खासतौर पर बड़ी कंपनियों के शेयरों की वैल्यूएशन निवेशकों को आकर्षक लगी।

बॉण्ड बाजार में भी शुद्ध बिकवाल रहे विदेशी निवेशक

इस बीच, विदेशी निवेशक अक्टूबर में भारतीय डेट या बॉण्ड बाजार में भी शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने पूर्ण सुलभ मार्ग (एफएआर) के तहत 3858 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग (वीआरआर) के तहत 1332 करोड़ रुपये की निकासी की। हालांकि, सामान्य मार्ग के जरिए उन्होंने 3737 करोड़ रुपये का निवेश किया।

न्युवोको का मुनाफा 78% बढ़कर 65 करोड़ रुपये पहुंचा

मुंबई (एजेंसी)। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड का वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में कर के बाद मुनाफा (पीएटी) सालाना आधार पर 78 प्रतिशत बढ़कर 65 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का राजस्व 13.5 प्रतिशत बढ़कर 2,790 करोड़ रुपये और एबिटिडा 11 प्रतिशत बढ़कर 411 करोड़ रुपये रहा। सीमेंट बिक्री मात्रा 9 प्रतिशत वृद्धि के साथ 4.7 एमएमटी दर्ज की गई। कंपनी ने सूरत के लिमला में 2 एमएमटीपीए क्षमता वाली ग्राइंडिंग इकाई शुरू की है। वित्त वर्ष 2028 तक सीमेंट उत्पादन क्षमता 35 एमएमटीपीए करने का लक्ष्य है।

एयरटेल और यूट्यूब की साझेदारी, प्रीपेड ग्राहकों को मिलेगा प्रीमियम मनोरंजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरटेल ने अपने प्रीपेड ग्राहकों को प्रीमियम मनोरंजन उपलब्ध कराने के लिए यूट्यूब के साथ साझेदारी की है। इसके तहत ग्राहक विज्ञापन-मुक्त वीडियो, बैकग्राउंड प्ले, ऑफलाइन डाउनलोड और यूट्यूब म्यूजिक प्रीमियम का लाभ उठा सकेंगे। एयरटेल के 200 वाले ओटीटी टॉप-अप में 18 से अधिक ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ 30GB अतिरिक्त डेटा भी मिलता है। यह सुविधा वैध रिचार्ज वाले प्रीपेड ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। ग्राहक एयरटेल ऐप के 'रिवॉर्ड्स और ओटीटी' सेक्शन से इसका लाभ ले सकते हैं। टॉप-अप की वैधता 28 दिनों की है।

मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज़ सेल के दूसरे चरण का ऐलान किया



नई दिल्ली (एजेंसी)। मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया की अग्रणी और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 के दौरान बिग बिलियन डेज़ सेल के तहत अपने लेटेस्ट स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर विशेष त्योहारी ऑफर्स की घोषणा की है। मोटोरोला के नए एआई इनोवेशन, प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम, प्रीमियम पैंटोन वैलिडेटेड डिज़ाइन, शानदार डिस्प्ले और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी इनोवेशन को एक साथ लाते हुए, इस कैंपेन का उद्देश्य हर वर्ग के ग्राहकों तक आधुनिक स्मार्टफोन अनुभव आसानी से पहुँचाना है। यह सेल अब फ्लिपकार्ट पर लाइव है और बिग बिलियन डेज़ सेल अवधि के दौरान जारी रहेगी।

मोटोरोला Edge 70 Fusion 30,000 रुपये से कम कीमत में प्रीमियम फीचर्स की तलाश कर रहे ग्राहकों के लिए एक फ्लैगशिप स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करता है। फोटोग्राफी, परफॉर्मेंस और टिकाऊपन को ध्यान में रखते हुए बनाए गए इस फोन में एआई-संचालित 50MP सोनी LYTIA 710 कैमरा दिया गया है, जो उपयोगकर्ताओं को विभिन्न प्रकार की रोशनी स्थितियों में भी विस्तृत फोटो और वीडियो लेने की सुविधा देता है। स्मार्टफोन में इस सेगमेंट का इकलौता 1.5K ट्रू कलर क्वॉड-कर्व्ड डिस्प्ले दिया गया है जो पैंटोन वैलिडेटेड है, और शानदार रंग और इमर्सिव व्यूइंग अनुभव प्रदान करता है।

अडाणी विंड को 5 बिजली उत्पादकों से मिले 696 MW के ऑर्डर, 1 GW के पार पहुंची थर्ड-पार्टी ऑर्डर बुक

मुंबई (एजेंसी)। अडाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड के विंड एनर्जी बिजनेस अडाणी विंड को 5 अलग-अलग बिजली उत्पादक कंपनियों से कुल 696.2 मेगावाट (MW) के ऑर्डर मिले हैं। इससे अडाणी ग्रुप के बाहर भी इसका कस्टमर बेस आधार बढ़ा है। ये ऐसे समय में हुआ है जब भारत की विंड एनर्जी इंडस्ट्री ज्यादा क्षमता वाले टर्बाइनों की ओर बढ़ रहा है।

अडाणी विंड को किन कंपनियों से मिले हैं ऑर्डर

मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, इन ऑर्डरों में आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप की कंपनी पुरवाह ग्रीन पावर से 300 MW, बीसी जिंदल ग्रुप की जिंदल इंडिया पावर से 155 MW, एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी से 109.2 MW, आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स से 82.5 MW और इंटीग्रम एनर्जी से 49.5 MW के ऑर्डर शामिल हैं। इन अनुबंधों में 5.2 MW, 5 MW और 3.3 MW क्षमता वाले 3 तरह के विंड टर्बाइन जनरेटर प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इनसे जुड़े प्रोजेक्ट कर्नाटक, गुजरात और महाराष्ट्र में लगाए जाएंगे।

अडाणी विंड के कुल ऑर्डर 1 गीगावाट (GW) के पार

जानकारों के मुताबिक, इन नए ऑर्डरों के साथ, अडाणी ग्रुप के बाहर के स्वतंत्र बिजली उत्पादकों से मिले अडाणी विंड के कुल ऑर्डर 1 गीगावाट (GW) को पार कर गए हैं। कंपनी के लिए ये एक बड़ी और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि ऐसे बाजार में जहां टर्बाइन निर्माता भारत की बढ़ती अक्षय ऊर्जा क्षमता के लिए उपकरण सप्लाई करने की होड़ में हैं, वहां अडाणी विंड ने बाहरी ग्राहकों के साथ अपना कारोबार बढ़ाने में सफलता हासिल की है।

पुरवाह ग्रीन पावर से मिला सबसे बड़ा ऑर्डर

अडाणी विंड को सबसे बड़ा ऑर्डर पुरवाह ग्रीन पावर से मिला है जिसमें कर्नाटक के बेल्लारी में लगाने के लिए 5 MW क्षमता वाले 60 विंड टर्बाइन शामिल हैं। जिंदल इंडिया पावर के 155 MW के ऑर्डर में भी इसी क्षमता वाले 31 टर्बाइन शामिल हैं, जिन्हें कर्नाटक के दावणगेरे में लगाया जाएगा।



एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने खावड़ा प्रोजेक्ट के लिए दिया ऑर्डर

एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने गुजरात के खावड़ा प्रोजेक्ट के लिए 5.2 MW क्षमता वाले 21 टर्बाइनों का ऑर्डर दिया है। जानकारों ने बताया कि आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स और इंटीग्रम एनर्जी के प्रोजेक्ट्स में अडाणी विंड के 3.3 MW क्षमता वाले टर्बाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल होगा।

ये प्रोजेक्ट्स क्रमशः गुजरात के भुज और महाराष्ट्र के नंदुरबार में स्थित हैं।

निर्माण क्षमता को सालाना 2.25 GW से बढ़ाकर 5 GW करने की कोशिश कर रही है कंपनी

ये ऑर्डर ऐसे समय में मिले हैं जब अडाणी विंड गुजरात के मुंद्रा में अपनी निर्माण क्षमता को सालाना 2.25 GW से बढ़ाकर 5 GW करने की कोशिश कर रही है और लंबी अवधि में इसका लक्ष्य 10 GW तक पहुंचने का है। इस विस्तार से कंपनी घरेलू टर्बाइन मांग के एक बड़े हिस्से के लिए प्रतिस्पर्धा करने और संभवतः विदेशी बाजारों में भी अपनी सर्विस देने की स्थिति में आ जाएगी।

नियमों को ताक पर रखकर एक शिक्षक को तीन-तीन प्रभार!

मूल शाला से 85 किलोमीटर दूर अधीक्षक और प्राचार्य की जिम्मेदारी, विभागीय आदेशों के पालन पर उठे सवाल

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के शिक्षा विभाग और आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। विकासखंड पंडरिया के पोलमी में एक शिक्षक को तीन-तीन महत्वपूर्ण पदों का प्रभार सौंपे जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शासन के स्पष्ट निर्देशों और विभागीय आदेशों के बावजूद संबंधित शिक्षक को अब तक प्रभार से मुक्त नहीं किया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर विभागीय नियमों का पालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी किसकी है और आदेशों की अनदेखी पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिक्षक खेमराज जांगड़े की मूल पदस्थापना कवर्धा विकासखंड अंतर्गत पूर्व माध्यमिक शाला झिरौनी में बताई गई है। इसके बावजूद वे विकासखंड पंडरिया के पोलमी में आदिम जाति तथा जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित विशेष पिछड़ी जनजाति आवासीय विद्यालय के प्रभारी अधीक्षक एवं प्रभारी प्राचार्य की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उन्हें पोलमी स्थित आदिवासी बालक छात्रावास के प्रभारी अधीक्षक का प्रभार भी दिया गया है।

इस प्रकार एक ही शिक्षक के पास तीन महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी होने से विभागीय व्यवस्था, कार्यविभाजन और नियमों के पालन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। खास बात यह है कि संबंधित शिक्षक की मूल पदस्थापना और प्रभार वाले संस्थानों के बीच लगभग 85 किलोमीटर की दूरी बताई जा रही है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि उनकी मूल शाला में नियमित उपस्थिति और अध्यापन कार्य किस प्रकार सुनिश्चित किया जा रहा है।

तीन पदों की जिम्मेदारी, मूल शाला में अध्यापन का क्या होगा?

शिक्षा व्यवस्था का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। ऐसे में यदि किसी शिक्षक को उसकी मूल शाला से दूर अन्य



संस्थानों में विभिन्न प्रशासनिक पदों की जिम्मेदारी सौंप दी जाती है, तो उसकी मूल शाला में अध्यापन कार्य प्रभावित होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। एक ओर सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता और नियमित अध्यापन को लेकर लगातार सवाल उठते हैं, वहीं दूसरी ओर एक ही शिक्षक को तीन-तीन पदों का प्रभार दिए जाने की स्थिति सामने आना विभागीय कार्यप्रणाली की समीक्षा की जरूरत दर्शाता है।

हालांकि, संबंधित शिक्षक को ये प्रभार किन परिस्थितियों में और किस आदेश के तहत सौंपे गए, इसकी आधिकारिक पुष्टि तथा विभाग का पक्ष सामने आना अभी आवश्यक है। लेकिन यदि शासन के निर्देशों के विपरीत व्यवस्था जारी है, तो इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

वीएसके एप से उपस्थिति के नियमों पर भी सवाल

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, कबीरधाम द्वारा जारी आदेश क्रमांक /स्था.2/2026/7077 के अनुसार, विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) एप के माध्यम से शिक्षकों की वास्तविक समय में ऑनलाइन उपस्थिति की निगरानी की जा रही है। आदेश के अनुसार, शिक्षकों की मूल पदस्थ शाला से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। शत-प्रतिशत ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं होने की स्थिति में वेतन आहरण प्रतिबंधित किए जाने का भी उल्लेख बताया गया है।

ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि झिरौनी स्थित मूल शाला में पदस्थ शिक्षक पोलमी के विभिन्न संस्थानों में प्रभार संभालते हुए अपनी मूल शाला की उपस्थिति संबंधी शर्तों का पालन किस प्रकार कर रहे हैं? क्या उनकी ऑनलाइन उपस्थिति और वास्तविक कार्यस्थल का नियमानुसार सत्यापन किया गया है? क्या उनके वेतन आहरण से पहले संबंधित अभिलेखों की जांच की गई है?

इन सवालों का जवाब संबंधित विभागीय अधिकारियों को दस्तावेजों के आधार पर स्पष्ट करना चाहिए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

आयुक्त के निर्देशों के बाद भी प्रभार जारी रहने पर सवाल

कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर द्वारा जारी पत्र क्रमांक /61862/2026-HOSTEL ASHRAM ST&SC HOD में शिक्षक संवर्ग के ऐसे अधीक्षकों को तत्काल कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए जाने की जानकारी सामने आई है, जो अपनी मूल पदस्थ शाला से दूर संचालित आवासीय संस्थाओं में अधीक्षक का प्रभार संभाल रहे हैं।

निर्देशों के अनुसार, ऐसे शिक्षकों को उनकी मूल शाला में अध्यापन कार्य के लिए उपलब्ध कराने तथा छात्रावासों और आश्रमों के सुचारू संचालन हेतु उसी संस्था अथवा एक-दो किलोमीटर के दायरे में स्थित नजदीकी शालाओं के योग्य एवं इच्छुक शिक्षकों को प्रभार सौंपने का प्रस्ताव तैयार किया जाना है।

इसी क्रम में जिला शिक्षा अधिकारी, कबीरधाम द्वारा 7 सितंबर 2026 को तीन दिनों के भीतर ऐसे शिक्षकों की सूची मांगे जाने की जानकारी भी सामने आई है, ताकि उन्हें मूल शाला के लिए कार्यमुक्त कर नजदीकी विद्यालयों के इच्छुक शिक्षकों को प्रभार सौंपने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। अब सवाल यह है कि जब दूरस्थ आवासीय संस्थानों में प्रभार संभाल रहे शिक्षकों को कार्यमुक्त करने के लिए निर्देश जारी किए गए, तो संबंधित मामले में उन निर्देशों का पालन हुआ या नहीं? यदि आदेश लागू हैं, तो तीन-तीन प्रभारों की व्यवस्था अब तक जारी रहने के पीछे क्या कारण हैं?

चहेतों को उपकृत करने के आरोप, पारदर्शिता की मांग

इस मामले ने विभागीय कार्यविभाजन और प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर नई बहस छेड़ दी है। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि नियमों के अनुरूप व्यवस्था करने के बजाय कुछ शिक्षकों को महत्वपूर्ण पदों का अतिरिक्त प्रभार देकर उपकृत किया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो सकेगी।

मामले में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि तीनों प्रभार सौंपने के लिए सक्षम अधिकारी ने कौन-सा आदेश जारी किया, संबंधित शिक्षक की मूल शाला में उपस्थिति की क्या स्थिति है और शासन के निर्देशों के अनुरूप अब तक क्या कार्रवाई की गई है।

प्रशासन से उठ रही जवाबदेही तय करने की मांग

इस पूरे मामले में जिला प्रशासन, जिला शिक्षा अधिकारी और आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। संबंधित आदेशों, पदस्थापना अभिलेखों, ऑनलाइन उपस्थिति और वेतन आहरण की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए।

यदि नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित व्यवस्था के लिए उत्तरदायित्व तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, शिक्षक को मूल शाला में नियमित अध्यापन के लिए उपलब्ध कराने और छात्रावासों का संचालन नियमानुसार सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए।

अब बड़ा सवाल यही है कि शासन के आदेशों का पालन केवल कागजों तक सीमित रहेगा या कबीरधाम प्रशासन इस मामले की निष्पक्ष जांच कर जवाबदेही भी तय करेगा?

सिरोही नस्ल के बकरे ने बदली बृजलाल की तकदीर

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। मेहनत, सही मार्गदर्शन और शासन की योजना का साथ मिले तो ग्रामीण क्षेत्रों में भी आर्थिक समृद्धि की नई राह खुल सकती है। कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के वनांचल ग्राम बेंदा निवासी बृजलाल मेरावी की सफलता इसकी मिसाल है। पशुधन विकास विभाग की नर बकरा वितरण योजना से मिले उन्नत सिरोही नस्ल के नर बकरे ने उनके पारंपरिक बकरी पालन को नई दिशा दी। नस्ल सुधार और बेहतर देखभाल से उनकी बकरियों की संख्या 15 से बढ़कर लगभग 30 हो गई है। वहीं, बकरी पालन से होने वाली सालाना आय 20 से 30 हजार रुपए से बढ़कर 60 से 70 हजार रुपए तक पहुंच गई है।



योजना से मिला उन्नत नस्ल का नर बकरा

बृजलाल मेरावी का परिवार खेती-किसानी के साथ बकरी पालन पर निर्भर था। पहले उनके पास स्थानीय देशी नस्ल की 15 बकरियां थीं। मेमनों की धीमी वृद्धि और कम वजन के कारण बिक्री से सीमित आमदनी होती थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 में पशुधन विकास विभाग की नर बकरा वितरण योजना के तहत उनका चयन किया गया। पशु चिकित्सालय चिल्फी के माध्यम से उन्हें उन्नत सिरोही नस्ल का नर बकरा अनुदान पर उपलब्ध कराया गया।

नस्ल सुधार से बढ़ा पशुधन आय में भी इजाफा

सिरोही नस्ल के नर बकरे से प्रजनन के बाद संकर नस्ल के मेमने प्राप्त हुए। बेहतर शारीरिक विकास और वजन से बकरी पालन की लाभप्रदता में सुधार आया। पशु चिकित्सालय चिल्फी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने टीकाकरण, कृमिनाशक दवाओं, संतुलित आहार, खनिज लवण और वैज्ञानिक रख-रखाव के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया। इसका असर अब बृजलाल के पशुधन और आमदनी में दिखाई दे रहा है। बकरियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है और वार्षिक आय बढ़कर 60 से 70 हजार रुपए तक पहुंच गई है। इससे परिवार को आर्थिक मजबूती मिली है और बकरी पालन आय का महत्वपूर्ण अतिरिक्त साधन बना है।

दूसरे पशुपालकों के लिए बनी प्रेरणा

बृजलाल मेरावी ने योजना से मिले लाभ के लिए शासन और पशु चिकित्सालय चिल्फी के प्रति आभार जताया। उन्नत नस्ल सुधार, नियमित टीकाकरण और वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियां अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आजीविका को मजबूत बना सकते हैं। वनांचल क्षेत्र में बकरी पालन को लाभकारी बनाने की दिशा में यह पहल अन्य पशुपालकों के लिए भी प्रेरणादायक है।

वैध पंजीयन के अभाव में दीपक स्वीट्स एंड डेयरी सीलबंद

कोरबा। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले के खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान पाली विकासखंड के नूनेरा स्थित पंजाब रंगीला ढाबा से चावल एवं आटे के नमूने जांच के लिए लिए गए। मुड़ापार, कोरबा स्थित दीपक स्वीट्स एंड डेयरी से पनीर एवं बूंदी के लड्डू के नमूने भी जांच हेतु लिए गए हैं।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने 21 अक्टूबर 2026 को दीपक स्वीट्स एंड डेयरी का निरीक्षण किया था। मौके पर खाद्य पदार्थों का निर्माण अत्यधिक गंदगी और अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जाना पाया गया। प्रतिष्ठान का संचालन वैध खाद्य पंजीयन के बिना भी किया जा रहा था।

किशुनगढ़ में नाली की खुदाई के दौरान मिला नर कंकाल, गांव में मचा हड़कंप

कंकाल के साथ सड़ा-गला थैला और चप्पल मिलने की भी चर्चा, पुलिस जांच में जुटी

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पंडरिया विकासखंड के ग्राम किशुनगढ़ में वीबी-जी राम जी योजना के तहत कच्ची नाली का निर्माण कराया जा रहा है। इसी दौरान खुदाई करते समय एक नर कंकाल मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में कौतूहल के साथ तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। मिली जानकारी के अनुसार, नाली निर्माण के लिए खुदाई का कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक जमीन के भीतर नर कंकाल दिखाई दिया। कंकाल देखकर मौके पर मौजूद



मजदूर घबरा गए और इसकी सूचना संबंधित लोगों को दी। बताया जा रहा है कि खुदाई स्थल पर कंकाल के साथ एक सड़ा-गला थैला और चप्पल भी मिली है। इन वस्तुओं के मिलने के बाद मामले को लेकर ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। फिलहाल बरामद नर कंकाल की पहचान और उसके पुराने होने की अवधि के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। कंकाल कितना पुराना है और वह किन परिस्थितियों में वहां पहुंचा, इसका खुलासा जांच तथा आवश्यक परीक्षण के बाद ही हो सकेगा।

फिलहाल ग्रामीणों की नजर पुलिस जांच पर टिकी हुई है। कंकाल की पहचान और घटना से जुड़े तथ्यों का पता चलने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

वीबी जीरामजी योजना से ग्राम पंचायत बघेली में जल संरक्षण एवं ग्रामीणों को रोजगार, दीपावली से पूर्व 90 श्रमिकों को मिल रहा काम

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। वीबी जीरामजी योजना के अंतर्गत गुंडरदेही विकासखंड के ग्राम पंचायत बघेली में सामुदायिक उपयोग हेतु परकोलेशन टैंक बघेली भाटा का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इस कार्य के माध्यम से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो रहा है, वहीं जल संरक्षण एवं भूजल स्तर में वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

वर्तमान में उक्त निर्माण कार्य में 90 श्रमिक नियोजित हैं। दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार से पूर्व ग्रामीण श्रमिकों को अपने ही गांव में रोजगार मिलने से उन्हें परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा त्योहार की तैयारियों में आर्थिक सहयोग प्राप्त हो रहा है। स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सहारा मिल रहा है तथा गांव की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है।

परकोलेशन टैंक निर्माण से होंगे जल संरक्षण के दूरगामी लाभ



परकोलेशन टैंक वर्षा जल को एकत्रित कर उसे धीरे-धीरे भूमि के भीतर रिसने में सहायता करता है। इससे भूजल पुनर्भरण की संभावनाएं बढ़ती हैं तथा जल स्रोतों के संरक्षण में मदद मिलती है। इस संरचना से आसपास के क्षेत्र में मिट्टी की नमी बनाए रखने तथा कुओं एवं अन्य भूजल स्रोतों को लाभ पहुंचाने में सकारात्मक योगदान मिलने की उम्मीद है। साथ ही, वर्षा जल के बेहतर प्रबंधन और जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाने में भी यह कार्य उपयोगी सिद्ध होगा।

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं तकनीकी अमले का योगदान

ग्राम पंचायत बघेली में वीबी जीरामजी योजना के अंतर्गत संचालित परकोलेशन टैंक निर्माण कार्य के सफल क्रियान्वयन में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं मैदानी अमले का महत्वपूर्ण योगदान है। इस कार्य के संचालन में श्री नितेश साहू एवं कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रतिज्ञा चंद्राकर के मार्गदर्शन एवं सहयोग से कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है।

वहीं, ग्राम पंचायत सचिव श्री टिकेश्वर देशमुख, सरपंच श्री रामेश्वर तेलासी एवं उपसरपंच श्री प्रमोद कुमार यादव द्वारा पंचायत स्तर पर कार्य के संचालन में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। रोजगार सहायक श्री नोखे राम बंजारे द्वारा श्रमिकों के नियोजन एवं रोजगार संबंधी कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

निर्माण कार्य की तकनीकी देखरेख, निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप कार्य संपादन तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने में तकनीकी सहायक श्रीमती पद्मा पाटिल की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी संबंधित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं मैदानी अमले के समन्वय से कार्य को व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित करने का प्रयास किया जा रहा है।

बालोद में द्विफसली योजना के तहत सरसों बीज वितरित : एक तरफ उन्नत खेती का संदेश, तो दूसरी तरफ अन्नदाताओं का अपमान!

- फिरोज अहमद खान

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और रबी सीजन में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के दावे कितने खोखले हैं, इसकी एक बानगी गुरूर विकासखंड के ग्राम नवागांव में देखने को मिली। कृषि विभाग द्वारा यहां 'द्विफसली योजना' के अंतर्गत किसानों को उन्नत किस्म के सरसों बीज के मिनीकिट वितरित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस पहल का मुख्य उद्देश्य एकल फसल प्रणाली के स्थान पर किसानों को द्विफसली पद्धति अपनाने और तिलहन उत्पादन की ओर अग्रसर करना था।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित कृषकों को उन्नत बीज के महत्व, खेत की तैयारी और बोआई की वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण सरसों बीज की खेती करने से कम लागत और सीमित सिंचाई में भी बेहतर पैदावार हासिल की जा सकती है। इससे न केवल किसानों की आय में इजाफा होगा, बल्कि क्षेत्र में तिलहन फसलों का रकबा भी बढ़ेगा। शासन की इस योजना से समय पर उन्नत बीज मिलने पर किसानों ने शुरुआत में उत्साह भी जताया और कृषि अमले ने भी संतुलित खाद प्रबंधन व आधुनिक तकनीकों को अपनाकर समृद्ध किसान बनने का आह्वान किया।



अन्नदाताओं का सम्मान या अपमान? कुर्सी के बजाय दरी पर बैठाने की विडंबना

लेकिन, इस प्रशासनिक आयोजन का एक दूसरा पहलू बेहद शर्मनाक और व्यवस्था की पोल खोलने वाला रहा। जिस अन्नदाता के पसीने से देश का पेट भरता है और जिसकी बदौलत योजनाएं फलीभूत होती हैं, उसी किसान के साथ विभाग का रवैया दोहरे दर्जे का साबित हुआ। समाचार के अनुसार, बैठक में मौजूद सभी ग्रामीण कृषकों को बैठने के लिए कुर्सियां मुहैया कराने के बजाय सीधे जमीन पर दरी बिछाकर बैठा दिया गया।

क्या कृषि विभाग के पास फंड की कमी थी? क्या शासन-प्रशासन के पास किसानों के मान-सम्मान के लिए एक अदद कुर्सी का बजट कभी नहीं होता? जिले में जहां कहीं भी किसानों के लिए इस तरह की बैठकें या कार्यक्रम आयोजित होते हैं, अन्नदाताओं को अक्सर जमीन पर दरी बिछाकर ही बिठाया जाता है। क्या किसानों के प्रति अधिकारियों का यह रवैया उनकी उपेक्षा और व्यवस्था की संवेदनहीनता को नहीं दर्शाता? यह समझ से परे है कि जो अधिकारी मंचों से किसानों को 'समृद्ध' बनाने के बड़े-बड़े भाषण देते हैं, वे हकीकत में उन्हीं किसानों को बुनियादी सम्मान देने से क्यों कतराते हैं?

जिला कलेक्टर से सख्त अपील : भविष्य में न हो ऐसा भेदभाव

इस प्रकार की घटनाएं न केवल शासन की मंशा पर पानी फेरती हैं, बल्कि किसानों के आत्मसम्मान को भी गहरी ठेस पहुंचाती हैं। एक तरफ सरकार किसानों को 'अन्नदाता' कहकर उनकी रीढ़ मजबूत करने के दावे करती है, तो वहीं मैदानी अमले का यह दोगला व्यवहार इसके बिल्कुल विपरीत संदेश देता है।

इस समाचार के माध्यम से जिला कलेक्टर महोदया श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा का ध्यान इस गंभीर और संवेदनहीन लापरवाही की ओर आकर्षित किया जा रहा है। उम्मीद की जाती है कि जिला प्रशासन इस मामले का संज्ञान लेगा और भविष्य के लिए सख्त निर्देश जारी करेगा, ताकि जिले में किसी भी सरकारी बैठक या कार्यक्रम में अन्नदाताओं के साथ ऐसा भेदभावपूर्ण और अपमानजनक बर्ताव दोबारा कभी न दोहराया जाए। किसानों को योजनाओं के लाभ के साथ-साथ उनका सामाजिक सम्मान भी मिलना उतना ही जरूरी है।

राजहरा के 'विकास का पलायन': सियासत की बलि चढ़ा खनिज अंचल का भविष्य?

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। खनिज संपदा से समृद्ध जिले के दल्ली राजहरा-डौंडी क्षेत्र इन दिनों अपनी माइनिंग की अकूत दौलत के बजाय विकास योजनाओं के 'रफूचक्कर' होने के रिकॉर्ड को लेकर सुर्खियों में है। यहाँ के नेताओं की ख़ामोशी और दूरदर्शिता की कमी ने इस ऐतिहासिक टाउनशिप को विकास के मामले में पिछड़ा बना दिया है। ताजा मामला डौंडी विकासखंड के ग्राम पथराटोला में लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आधुनिक विज्ञान केंद्र का है, जिस पर शुरू हुए राजनीतिक घमासान और विरोध ने क्षेत्र की जनता को झकझोर कर रख दिया है।

दल्ली राजहरा से लगातार 'रफूचक्कर' होते प्रोजेक्ट्स

दल्ली राजहरा के हिस्से की खुशियों को अन्यत्र शिफ्ट करने का यह कोई पहला मामला नहीं है - कागज फैक्ट्री का सपना : कभी इस इलाके में एक बड़ी कागज फैक्ट्री लगने वाली थी, जो राजनीतिक कुटिलता के चलते मध्य प्रदेश के अमलाई में शिफ्ट कर दी गई। जिला मुख्यालय की अदला-बदली : जिला मुख्यालय पहले दल्ली राजहरा में प्रस्तावित था, जिसे बाद में बालोद के सिवनी गाँव में स्थापित कर दिया गया। कार्यालयों और सुरक्षा बलों का



पलायन : तहसील कार्यालय और एसडीएम कार्यालय डौंडी शिफ्ट हो गए। वहीं, 15वीं वाहिनी बटालियन भी दल्ली राजहरा के बजाय बालोद के धनोरा में स्थापित हुई। यदि यह बटालियन यहाँ बनती, तो 800 से 1,000 जवानों और उनके परिवारों की उपस्थिति से स्थानीय बाजार, व्यापार, किराए के मकानों और रोजगार को भारी बढ़ावा मिलता।

नेताओं की चुप्पी और युवाओं का अंधकारमय भविष्य

जब भी जिला मुख्यालय, तहसील, एसडीएम कार्यालय या बटालियन छिनने की बारी आई, दल्ली राजहरा के तथाकथित नेता पूरी तरह मौन रहे। इन नेताओं की चुप्पी और उदासीनता का खामियाजा यहाँ का युवा और बच्चे भुगत रहे है। रोजगार के अभाव में कुछ युवा मजबूरीवश अवैध गतिविधियों की ओर भटक रहे हैं, तो कुछ नशे के दलदल में अपना जीवन अंधकारमय बना रहे हैं।

विज्ञान केंद्र रोकने की कोशिश पर जनआक्रोश

पथराटोला में प्रस्तावित विज्ञान केंद्र को रोकने की माँग पर स्थानीय नागरिकों और आदिवासी समाज ने कड़ा ऐतराज जताया है। क्षेत्र में प्रदूषण, शुद्ध पेयजल, खराब सड़कों और 100 बिस्तर अस्पताल जैसी समस्याएँ गंभीर हैं, लेकिन उनका हल बच्चों के भविष्य से जुड़ी शैक्षणिक परियोजना को रोकना नहीं है। यदि वित्तीय या तकनीकी अनियमितता का संदेह है, तो उसकी निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए। स्थानीय लोगों और आदिवासी समाज ने चेतावनी दी है कि युवाओं और बच्चों के शैक्षणिक अवसरों से खिलवाड़ हुआ, तो ब्लॉक से लेकर प्रदेश स्तर तक उग्र आंदोलन किया जाएगा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण

रायपुर ■ दैनन्दिनी

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने जिला बस्तर के दरभा

बच्चों से आत्मीय संवाद कर पोषण, स्वास्थ्य और देखभाल की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

विकासखंड के ग्राम कोटमसर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पेदावाड़ा मांझीपाल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा नन्हें बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर उनसे



बातचीत की। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और बेहतर देखभाल के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सुरक्षित और स्नेहपूर्ण वातावरण के साथ जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनके समुचित पोषण और विकास को सुनिश्चित किया जा सके। मंत्री ने केंद्र की व्यवस्थाओं को बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक देखभाल की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। यहां बच्चों को बेहतर सुविधाएं और आत्मीय वातावरण मिले,

ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी सवार महिला की मौत, 8 साल की बच्ची गंभीर रुप से घायल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी के तेलीबांधा VIP चौक पर आज भीषण सड़क हादसे में एक स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उनकी 8 साल की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद कंटेनर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही तेलीबांधा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, मां-बेटी स्कूटी से पचपेड़ी नाका से टेमरी गांव जा रही थीं। इसी दौरान VIP चौक पर वे कंटेनर की चपेट में आ गईं। टक्कर इतनी गंभीर थी कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्ची



गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना के बाद कंटेनर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। तेलीबांधा पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है।

पारंपरिक वैद्यों का ज्ञान अमूल्य विरासत, आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षण जरूरी: केदार कश्यप



रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और औषधीय ज्ञान के संरक्षण की दिशा में प्रदेश के 6 जिलों के 309 पारंपरिक वैद्यों को स्वैच्छिक प्रमाणन के अंतर्गत प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा कोण्डागांव में आयोजित कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने वैद्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। बोर्ड ने 31 मार्च 2027 तक प्रदेश के एक हजार पारंपरिक वैद्यों के प्रमाणन का लक्ष्य रखा है।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में हमारी सरकार पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और वन्य औषधियों के संरक्षण हेतु पूरी तरह संकल्पित है। हमारी यह स्वास्थ्य परंपरा पूरे छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर है। पारंपरिक वैद्यों का ज्ञान औषधीय वनस्पतियों की पहचान और पीढ़ियों के अनुभवों पर आधारित है।

इस ज्ञान का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण कर इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने औषधीय पौधों के संरक्षण और संवर्धन पर जोर देते हुए अधिकारियों को पंचायतों की उपलब्ध भूमि, घरों की बाड़ियों और अन्य उपयुक्त स्थानों पर इनके रोपण को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि स्थानीय वन उत्पादों, औषधीय पौधों और पारंपरिक खाद्य पदार्थों की बेहतर ब्रांडिंग, प्रसंस्करण और विपणन से ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने साल बीज सहित अन्य वन उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर कार्य करने और कोदो, कुटकी और रागी जैसे पारंपरिक अनाज के पोषण संबंधी महत्व को रेखांकित करते हुए इनके उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम, उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला, जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में पारंपरिक वैद्य तथा वन विभाग एवं औषधि पादप बोर्ड के अधिकारी उपस्थित थे।

सिटी सेंटर मॉल के नजदीक बिल्डिंग में लगी आग

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी के पंडरी क्षेत्र में सिटी सेंटर मॉल के पास महालक्ष्मी मार्केट में स्थित होम डेकोरेशन शॉप की दुकान में रविवार को भीषण आग लग गई है। आसमान में काले धुएं का गुबार उठता देख आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की 2 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। यह घटना देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में हुई है। बताया जा रहा है कि आग पंडरी सिटी सेंटर मॉल के पास बिल्डिंग के चौथे माले में लगी है। इस घटना में चौथे माले पर रखी फर्नीचर जलकर राख हो गई, जिससे लाखों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। इधर घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गई है। मार्केट में लगी आग का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि आग कीतनी भीषण है और धुएं का काला गुबार उठ रहा है।



भाजपा का लोकतंत्र बचाओ अभियान ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए : कांग्रेस

रायपुर

भाजपा द्वारा वोट चोरी के समर्थन में लोकतंत्र बचाओ अभियान वोट चोरी और ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि देश के मतदाता अपने मतदान के अधिकार की चोरी के खिलाफ लामबंद है। युवा, छात्र, विपक्षी दल, आम आदमी सभी एसआईआर के माध्यम से वोट चोरी के खिलाफ एकजुटता से खड़े है। भाजपा और चुनाव आयोग के गठबंधन के खिलाफ पूरे देश में वातावरण इससे घबरा कर भाजपा लोकतंत्र बचाओ अभियान चलाने जा रही है। भाजपा देश के मतदाताओं और नागरिकों को भीड़ तंत्र बताने का दुस्साहस कर रही है। इसी भीड़ तंत्र से भारत का लोकतंत्र पुष्पित और पल्लवित है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा का अभियान चोरी ऊपर से सीनाजोरी है। जब वोट चोरी का षडयंत्र रंगे हाथों पकड़ा गया, तो भाजपा ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए मैदान में उतर आई। यह साबित करता है कि यह प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि भाजपा का प्रायोजित वोटर डिलीट सिंडिकेट है।

रायपुर में 750 किलो खराब पनीर नष्ट

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने सितंबर में पनीर की बड़ी खेप पकड़ी थी। यह पनीर एक मालवाहक वाहन से ओडिशा भेजा जा रहा था। विभाग को इसकी गुणवत्ता पर संदेह हुआ था। 8 सितंबर को टीम ने जोरा इलाके के पास वाहन रोका। जांच के दौरान मिल्की मलाई और मलाई मैजिक ब्रांड का पनीर मिला। विभाग ने पनीर जब्त कर उसके सैंपल जांच के लिए भेजे। सैंपल रायपुर की सरकारी खाद्य जांच प्रयोगशाला भेजे गए। अधिकारियों को रिपोर्ट मिलने के बाद पनीर की गुणवत्ता पर स्थिति साफ हुई। 12 सितंबर को खाद्य विभाग को लैब की जांच रिपोर्ट मिली। इसमें दोनों ब्रांड का पनीर खाने योग्य नहीं पाया गया। रिपोर्ट के आधार पर विभाग ने संबंधित निर्माता का लाइसेंस निलंबित कर दिया। इसके बाद भी जब्त पनीर को तुरंत नष्ट नहीं किया गया। यह मामला करीब डेढ़ महीने तक अटका रहा। विभाग की कार्रवाई में हुई देरी अब चर्चा का विषय है। सवाल उठ रहा है कि रिपोर्ट आने के बाद इतनी देरी क्यों हुई। खाद्य विभाग की रिपोर्ट को पनीर निर्माता कंपनी ने चुनौती दी। कंपनी ने सरकारी लैब की जांच पर आपत्ति जताई। इसके बाद कंपनी ने दोबारा सैंपल की जांच कराने की मांग की। मामले में



पनीर का नमूना नेशनल फूड लैब भेजा गया। इसी प्रक्रिया के बीच जब्त पनीर को नष्ट करने की कार्रवाई रुकी रही। कंपनी की ओर से पनीर नष्ट करने का आवेदन भी दिया गया था। आखिरकार खाद्य विभाग ने उरला स्थित फैक्ट्री में पनीर नष्ट कराया। अधिकारियों ने 750 किलो पनीर को नष्ट करने की कार्रवाई पूरी की। इसका उद्देश्य खराब पनीर को दोबारा बाजार में पहुंचने से रोकना था। खाद्य विभाग अब संबंधित ब्रांड मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। मिल्की मलाई और मलाई मैजिक ब्रांड के संचालकों से जुड़ा मामला अदालत पहुंचेगा। विभाग इसके लिए कानूनी प्रकरण तैयार कर रहा है। यह प्रकरण मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट यानी CJM कोर्ट में पेश किया जाएगा। इसके बाद अदालत में मामले की सुनवाई होगी।फिलहाल विभाग ने पनीर नष्ट करने की कार्रवाई पूरी कर ली है। आगे की कानूनी कार्रवाई अदालत की प्रक्रिया के अनुसार होगी।

रायपुर से पहले भिलाई में भी खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई हुई थी। यहां मिठाई बनाने वाले प्रतिष्ठानों में कई गड़बड़ियां सामने आई थीं। शुक्रवार को विभाग की टीम ने कई दुकानों की जांच की। इस दौरान एक्सपायरी दूध से पनीर बनाने का मामला सामने आया। कुछ प्रतिष्ठानों में गंदगी के बीच मिठाइयां तैयार की जा रही थीं। टीम को इन जगहों पर खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन मिला। विभाग ने करीब 2500 किलो मिठाई और 1000 लीटर दूध नष्ट कराया। इसके साथ ही तीन प्रतिष्ठानों में काम भी बंद करा दिया गया।

स्मृति ईरानी के छत्तीसगढ़ दौरे पर कांग्रेस का पोस्टर वार, अजय चंद्राकर ने किया पलटवार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में बीजेपी की नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के दौरे को लेकर सियासी गलियारों में पारा बढ़ गया है. राजनीतिक बयानबाजी के बीच कांग्रेस ने स्मृति ईरानी पर पोस्टर वार किया है. इसमें उन्हें 500 रुपये वाले गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के साथ छत्तीसगढ़ में प्रवेश करते दिखाया गया है. भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने पलटवार करते हुए पोस्टर को शर्मनाक बताया.

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर जारी किया पोस्टर-स्मृति



ईरानी के छत्तीसगढ़ दौरे पर तंज कसते हुए कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर कार्टून पोस्टर जारी किया. इसमें स्मृति ईरानी एक ट्रक चलाकर छत्तीसगढ़ में प्रवेश करते दिख रहीं हैं. पोस्टर में लिखा है कि आज छत्तीसगढ़ में 500 रुपये वाले गैस सिलेंडर का ट्रक आने वाला है. पोस्टर में कैप्शन दिया गया है "अंधभक्तों में खुशी की लहर".

कांग्रेस पर विधायक अजय का हमला-भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कार्टून पोस्टर को लेकर कांग्रेस पर पलटवार किया है. उन्होंने पोस्टर को शर्मानाक बताते हुए कहा कि कांग्रेस के पास कोई एजेंडा नहीं है, इसलिए कुछ भी मीम बनाकर वायरल कर रहे हैं. औरपचारिकता पूरी करने के लिए कुछ लिखना था, इसलिए ऐसा किया गया. कांग्रेस सिर्फ इसी के भरोसे है. उनके पास कुछ काम नहीं बचा है.

आते ही स्मृति ईरानी ने दिखाए तेवर

कार्यकर्ताओं को सख्त संदेश, कहा- बिना बुलाए कोई नहीं पहुंचे भाजपा कार्यालय, अपने-अपने बूथ में करें काम

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश प्रभारी बनने के बाद छत्तीसगढ़ में पैर रखते ही स्मृति ईरानी ने कार्यकर्ताओं को सख्त संदेश देकर भविष्य के लिए सचेत कर दिया है. भाजपा कार्यालय परिसर में उन्होंने साफ स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि बैठक में जिसे बुलाया गया है, केवल वहीं कार्यालय में मौजूद रहे. बिना वजह, बिना बुलाई कोई कार्यकर्ता कार्यालय में न आए. रायपुर पहुंचने के बाद भाजपा कार्यालय पहुंचीं स्मृति ईरानी ने सह प्रभारी सिद्धार्थ शंभू, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, राज्यसभा सांसद



लक्ष्मी वर्मा के साथ अन्य पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आम जनता के साथ जमीन पर बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' सुनी. बता दें कि स्मृति ईरानी अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान भाजपा पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठकें कर प्रदेश में पार्टी की स्थिति का जायजा लेंगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने के बाद सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री संगठन और प्रदेश महामंत्रियों के साथ संगठनात्मक बैठक ली। होगी. दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक प्रदेश पदाधिकारियों के साथ समीक्षा और आगामी रणनीति पर चर्चा की.

चक्रवाती तूफान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना, किसानों को सतर्क रहने की सलाह

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में आगामी दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर ने किसानों के लिए मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की है। विश्वविद्यालय ने किसानों से फसलों को संभावित नुकसान से बचाने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने और कृषि कार्यों में मौसम के अनुरूप बदलाव करने की अपील की है।

चक्रवाती तूफान के मद्देनजर किसान कल्याण मंत्री श्री राम विचार नेताम और कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने किसान के हित में आवश्यक सहयोग के लिए विभाग अधिकारी कर्मचारी सहित मैदानी अमले को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र अगले कुछ घंटों में चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इस दौरान हवा की गति 115 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में 25 अक्टूबर से वर्षा की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। विशेष रूप से 28 एवं 29 अक्टूबर को प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 25 अक्टूबर को बस्तर संभाग के बस्तर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिलों में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा तथा अन्य जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। इसके अलावा रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग और राजनांदगांव सहित अन्य जिलों में भी भारी बारिश हो सकती है।

इसी प्रकार 26 अक्टूबर को दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कोंडागांव, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर, बीजापुर, सुकमा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 27 अक्टूबर को भी प्रदेश के अधिकांश जिलों में बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। वहीं 28 एवं 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में वर्षा की संभावना के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है।



इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि जिन खेतों में धान, दलहन एवं तिलहन की फसलें पकने की अवस्था में हैं, वहां आगामी दो से चार दिनों तक कटाई का कार्य स्थगित रखें। जिन किसानों ने फसलों की कटाई प्रारंभ कर दी है, वे कटी हुई फसलों को शीघ्र सुरक्षित स्थानों पर रखें। खेतों में अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि जलभराव से फसलों को नुकसान न पहुंचे।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को फसलों में रोग एवं कीटों के लक्षण दिखाई देने पर मौसम साफ होने के बाद ही आवश्यक कीटनाशकों अथवा कवकनाशकों का छिड़काव करने की सलाह दी है। आगामी दिनों में रबी फसलों की बुवाई करने वाले किसानों को भी मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए बुवाई का कार्य नवंबर माह के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ करने का सुझाव दिया गया है।

सब्जी एवं फल उत्पादक किसानों को भी विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। वैज्ञानिकों के अनुसार चक्रवाती प्रभाव से तेज हवा चलने की संभावना को देखते हुए लता वाली सब्जियों, विशेषकर करेला एवं लौकी जैसी फसलों के लिए सहारे की व्यवस्था करें। केले के पौधों एवं फलदार वृक्षों को भी आवश्यकतानुसार सहारा दें। सब्जियों के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें तथा बारिश के दौरान कीटनाशकों एवं कवकनाशकों के छिड़काव से बचें। पशुपालकों को सलाह दी गई है कि वे अपने पशुओं को सुरक्षित एवं सूखे स्थानों पर रखें। तेज हवा और बारिश की संभावना को देखते हुए पशुओं को पेड़ों के नीचे अथवा खुले स्थानों पर बांधने से बचें। पशुओं के लिए सूखे चारे एवं स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम पूर्वानुमान पर लगातार नजर रखें तथा कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जारी सलाह का पालन करें। समय रहते आवश्यक सावधानियां अपनाकर चक्रवाती तूफान और संभावित भारी वर्षा से फसलों, उद्यानिकी उत्पादन एवं पशुधन को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com